www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 209 || लखनऊ
शनिवार
31 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
मौसम
सूर्योदयः 06:15
सूर्यास्तः 05:24
अधिकतमः 23°00
न्यूनतमः 21°00

पेज 07

विशेष समाचार
सरदार पटेलः नये भारत के ... »पेज 04
रिक्शा-चालक के बेटे ने 4 ... »पेज 06
एक्टिंग छोड़कर खेती करने ...

बद्रीनाथ से देहरादून आ रहा हेलिकॉप्टर क्रैश

पायलट समेत 6 यात्रियों की मौत, उत्तराखंड में 10 साल में 13 हादसे, 27 मौतें

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

चमोली। उत्तराखंड में शुक्रवार को बद्रीनाथ से देहरादून आ रहा एक प्राइवेट कंपनी का हेलिकॉप्टर जोशीमठ के पास क्रैश हो गया। हादसे में पायलट समेत 6 लोगों की मौत हो गई। सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं। हेलिकॉप्टर ने दोपहर करीब 1:14 बजे बद्रीनाथ से देहरादून के सहस्रधारा के लिए उड़ान भरी थी। जोशीमठ घाटी के ऊपर उड़ान के दौरान उसका संपर्क टूट गया। इसके बाद ट्रैकिंग सिस्टम पर भी उसकी लोकेशन मिलनी बंद हो गई। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब उत्तराखंड के कई इलाकों में खराब मौसम बना हुआ है। राज्य के कई हिस्सों में बारिश और बर्फबारी हो रही है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हादसे पर दुख जताते हुए जांच के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मृतकों के परिवारों को हर संभव मदद दी जाएगी। केंद्र सरकार के मुताबिक, 2016 और 2026 के बीच उत्तराखंड में 13 हेलीकॉप्टर हादसे हुए, जिनमें 27 लोगों की मौत हुई। केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने 28 जुलाई 2025 को राज्यसभा में बताया था कि 2020 से 2025 के बीच देशभर में हेलिकॉप्टर से जुड़े 12 बड़े हादसे हुए, जिनमें 30 लोगों की जान चली गई। हालांकि, यह आंकड़ा 2020 से 2025 तक का है।

2 हेलिकॉप्टर की मदद से मलबा ढूंढा गया

आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदकिशोर जोशी के मुताबिक, जेपी डैम के ऊपर जंगल में सफेद रंग की किसी चीज में आग लगने की सूचना मिली थी। इसकी जांच के लिए दो हेलिकॉप्टर भेजे गए थे। लापता हेलिकॉप्टर ट्रांस भारत एविएशन प्राइवेट लिमिटेड का था। इसमें पायलट कैप्टन हिमांशु के अलावा 5 यात्री सवार थे। इनमें प्रताप, अरुण, शंकर गौड़ा, सुधीर के. और एचएस नटराज शामिल हैं। हादसे के बाद एहतियात के तौर पर ट्रांस भारत एविएशन के सभी हेलिकॉप्टरों की उड़ानें रोक दी गई हैं।

देशभर में 5 साल में 12 हेलिकॉप्टर हादसे, 30 मौतें

केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने 28 जुलाई 2025 को राज्यसभा में बताया था कि 2020 से 2025 के बीच देशभर में हेलिकॉप्टर से जुड़े 12 बड़े हादसे हुए, जिनमें 30 लोगों की जान चली गई। हालांकि, यह आंकड़ा 2020 से 2025 तक का है।

भूटान में ग्लेशियर झील फटी, हाईवे-सड़कें उखड़ीं

पानी भारत पहुंचने का खतरा, बंगाल-असम में बाढ़ का अलर्ट

तबाही

तमसा संकेत, एजेंसी

थिम्पू/कोलकाता। भूटान में गुरुवार देर रात शिंताफू ग्लेशियर झील फटने से भारी तबाही हुई। पानी के तेज बहाव में यहां का मशहूर गर्म पानी का कुंड 'गासा त्साचु' पूरी तरह बह गया। पुनाखा-गासा हाईवे का एक हिस्सा भी टूट गया, जिससे वहां ट्रैफिक बंद करना पड़ा। हालांकि, अब तक किसी की मौत की खबर नहीं है। झील से निकले पानी के कारण संकोश नदी का जलस्तर बढ़ गया है। यह नदी भूटान से निकलकर असम और पश्चिम बंगाल की सीमा वाले इलाकों से गुजरती है और आगे ब्रह्मपुत्र में मिल जाती है। इसे देखते हुए दोनों राज्यों में अलर्ट जारी किया गया है। पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में प्रशासन ने 12 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों और राहत शिविरों में पहुंचाया है। रातभर सायरन बजाकर लोगों को सतर्क किया गया और जल्द से जल्द घर छोड़ने को कहा गया।

तीसरी बार सरकार बनाओ, यूपी में यूसीसी लागू करेंगे : शाह

योगी का दावा- एसआईआर से 1.27 करोड़ हिंदू वोटर कटे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। गृहमंत्री अमित शाह शुक्रवार को लखनऊ के दौरे पर रहे। उन्होंने भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में कार्यकर्ताओं से कहा- यूपी में बीजेपी अंगद का पैर है। उसे कोई नहीं हिला सकता है। आप कमर कस लो, अर्जुन की तरह मछली की आंख पर नजर रखो। हमें फिर से सरकार बनानी है। शाह ने बीजेपी कार्यकर्ता को पार्टी का मालिक बताया। कहा कि यूपी में तीसरी बार बीजेपी की सरकार बनी तो यहां भी UCC लागू करेंगे। आप सभी नाराजगी और मनमुटाव को गोमती नदी में

छोड़कर जाएं। चुनाव में बार-बार मुलाकात होगी। हिसाब पूछूंगा। बही खाता अच्छा रहना चाहिए। उन्होंने कहा- राहुल बाबा की निरर्थक बकवास का जवाब यूपी में 2027 में बीजेपी की सरकार बनाकर देना है। अमित शाह ने कहा- यूपी में 30 अक्टूबर का दिन बेहद अहम है। 1990 में इसी दिन अयोध्या में रामभक्तों पर गोलियां चलाई गई थीं। मैं उन लोगों से पूछना चाहता हूं कि आप किस मुंह से सरकार बनाने की बात करते हैं? आपने रामभक्तों पर गोलियां चलवाईं, हमने राम मंदिर बनाया। कल्याण सिंह ने सरकार की चिंता किए बिना विवादित ढांचे को गिरवाया था। जनता आपकी तीसरी पीढ़ी को भी माफ नहीं करेगी। शाह ने कहा- यूपी में 2014 में हमारे केवल 44 विधायक थे। बहुत निराशा थी। मैं तहसील तक गया।

>> (शेष पेज 06 पर)

बनासकांठा का आलू विश्व प्रसिद्ध, यहां आकर कोई नहीं कहता कि इससे सोना बनाएंगे

'आलू से सोना' पर मोदी का तंज

सम्मान

तमसा संकेत, एजेंसी

बनासकांठा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात के बनासकांठा में कहा कि यहां का आलू दुनियाभर में मशहूर है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, बनासकांठा में आकर कोई नहीं कहता कि आलू से सोना बनाएंगे, क्योंकि यहां के लोग पहले ही आलू से सोना बना रहे हैं। मोदी की सभा में किसानों के बैठने के लिए कुर्सियों की जगह चारपाइयां बिछाई गई थीं। बनासकांठा के लोगों ने गांवों की इस पुरानी परंपरा को जिंदा रखा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

> *पीएम ने कहा- जीवन के अंतिम क्षण तक आपकी सेवा में जुटा रहूंगा। आपको पुरानी बातें याद होंगी। 25 साल पहले यहां बिजली पानी की समस्या थी। मैं कहता था हमें बिजली पानी बचाना होगा। लोग विरोध करते थे मोदी कौन होता है जो ये बोलता है। मैं आपसे लड़ता रहा और देखिए हम कहां पहुंच गए। मैं आज फिर से कहूंगा पानी बिजली बचाना है।*

मोदी ने 'भारत पर्व' का उद्घाटन किया

PM मोदी ने गुजरात के एकता नगर में 'भारत पर्व' का उद्घाटन किया। उन्होंने वहां लगी प्रदर्शनी भी देखी। उन्होंने बनासकांठा जिले में 'भारत बोवाइन ब्रीडिंग एंड रिसर्च सेंटर' के पशु फार्म और 'एम्ब्रियो ट्रांस फर टेक्नोलॉजी- इन विट्रो फर्टिलाइजेशन' प्रयोगशाला का भी दौरा किया। पीएम नरेंद्र मोदी दो दिन के गुजरात दौरे पर हैं।

फास्ट न्यूज

भारत में सबसे तेजी से गरीबी घटी

नई दिल्ली। भारत ने दुनिया में सबसे तेजी से गरीबी खत्म करने का रिकॉर्ड बनाया है। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, साल 2011 से 2023 के बीच देश में 49.6 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। इस दौरान भारत में अत्यधिक गरीबी दर 27.1% से घटकर सिर्फ 2.6% रह गई है। विश्व बैंक का कहना है।

इंडियन नेवी को मिलेंगे 8 नए कॉर्वेट जंगी जहाज

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (CCS) ने इंडियन नेवी के लिए 8 नए कॉर्वेट युद्धपोत बनाने की मंजूरी दी है। इस परियोजना पर ₹40 हजार करोड़ से ज्यादा खर्च किए जाएंगे। इन युद्धपोतों में 70% से ज्यादा सामान भारत में बनाया जाएगा। इससे देश में रक्षा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, पहले युद्धपोत का निर्माण एक साल के भीतर शुरू होने की उम्मीद है। इसे 2030 तक नौसेना को सौंपने का लक्ष्य रखा गया है।

6 राज्यों में एसआईआर की समयसीमा बढ़ी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने 6 राज्यों में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) का शेड्यूल बदल दिया। आयोग ने दिल्ली और महाराष्ट्र में मतदाताओं को नाम जुड़वाने, कटवाने या किसी गड़बड़ी पर दावा-आपत्ति दर्ज कराने के लिए अतिरिक्त समय दिया है। वहीं, आंध्र प्रदेश, हरियाणा, तेलंगाना और नगालैंड में नोटिस के निपटारे की समयसीमा बढ़ाई गई है।

स्वामी प्रसाद हमारे गठबंधन में नहीं : अखिलेश यादव

ऐलान किया- 2027 में महिलाओं को भाजपा से ज्यादा टिकट देंगे

विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कहा- स्वामी प्रसाद मौर्य हमारे गठबंधन में शामिल नहीं हैं। लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब मौर्य के इंडिया गठबंधन में शामिल होने से जुड़ा सवाल किया, तो अखिलेश भड़क गए। गुस्से में बोले कि हमारी सीटों में शामिल नहीं हो सकते। अवॉइड करो। इग्नोर करो। 2027 के चुनाव में महिला आरक्षण पर अखिलेश ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा- भाजपा से ज्यादा महिलाओं को टिकट देंगे। MLC चुनाव नतीजों पर कहा कि नतीजों ने आईना दिखा दिया है। धूमधाम

मचाने वाले धड़ाम से गिर गए हैं। गिनती में सिर्फ 5 MLC सीटें ही दिखती हैं, लेकिन ये लोग 50 जिलों में हारे हैं। सपा प्रमुख ने कहा- आम जनता में यह बात चली गई है कि भाजपा के लोग बेईमान हैं। सपा के लोग जनता के बल से जीते हैं। ये लोग 6 सीटें छल से जीते हैं। अगर इन्होंने छल नहीं किया होता तो शायद ये इतनी भी नहीं जीतते।

>> (शेष पेज 06 पर)

मोदी ने कहा- सेवा करते हुए 25 साल पूरे किए

पीएम ने कहा- कुछ दिन पहले 7 अक्टूबर को मुझे सेवक के रूप में काम करते हुए 25 साल पूरे हुए। 7 अक्टूबर 2001 को जब मैंने शपथ ली तो आपने प्रेम दिया। एक एक गुजराती ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। मैं सामान्य परिवार से निकला जिसके परिवार ने कभी गांव का मुखिया बनने का सपना भी नहीं देखा था उसको आपने लायक समझा। पहले गुजरात फिर देश की सेवा की जिम्मेदारी दी। जनसेवा से राष्ट्रसेवा और गुजरात के विकास से देश का विकास।

मोदी बोले- गोबर से किसानों की कमाई बढ़ाएंगे

पीएम ने कहा- हम चाहते हैं कि किसानों की गोबर से भी कमाई बढ़े। गोबर और खेती के अवशेषों से बायोगैस बायो सीएनजी और जैविक खाद बनाने के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर भी बढ़े। इसलिए यहां 2 बायो सीएनजी प्लांट का शिलान्यास हुआ है। मोदी ने कहा- पशुओं को बीमारियों से बचाना भी हमारी प्राथमिकता है। इसलिए हमने मुफ्त टीकाकरण शुरू किया। इसलिए करीब 150 करोड़ टीके पशुओं को लगाए जा चुके है। 8 करोड़ से ज्यादा किसानों के पशुओं को मुफ्त टीके लगे हैं। इससे उनका पैसा बचा है। इससे दूध उत्पादन बढ़ा है।

2013-14 में एक गाय-भैंस से 5 लीटर से भी कम दूध मिलता था। आज वह बढ़कर 8 लीटर हो गया है। भारत में दूध उत्पादन बढ़ने की गति सबसे तेज है। भारत दूध उत्पादन में नंबर वन है।

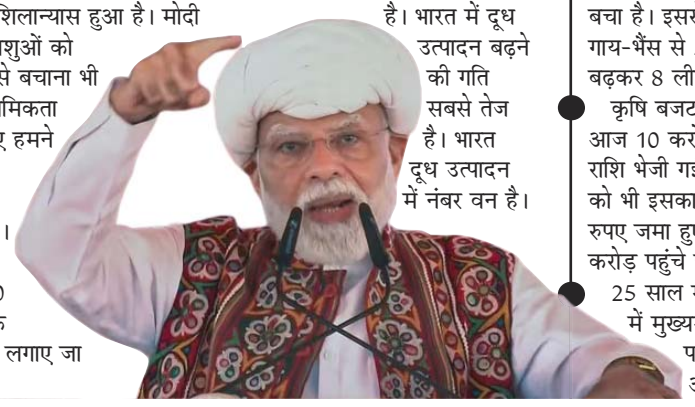

मोदी के भाषण की 5 बड़ी बातें...

- 25 साल पहले यहां बिजली पानी की समस्या थी। मैं कहता था हमें बिजली पानी बचाना होगा। लोग विरोध करते थे मोदी कौन होता है जो ये बोलता है। मैं आपसे लड़ता रहा और देखिए हम कहां पहुंच गए। मैं आज फिर से कहूंगा पानी बिजली बचाना है।
- हम चाहते हैं कि किसानों की गोबर से भी कमाई बढ़े। गोबर और खेती के अवशेषों से बायोगैस बायो सीएनजी और जैविक खाद बनाने के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर भी बढ़े।
- हमने मुफ्त टीकाकरण शुरू किया। 8 करोड़ से ज्यादा किसानों के पशुओं को मुफ्त टीके लगे हैं। इससे उनका पैसा बचा है। इससे दूध उत्पादन बढ़ा है। 2013-14 में एक गाय-भैंस से 5 लीटर से भी कम दूध मिलता था। आज वह बढ़कर 8 लीटर हो गया है।
- कृषि बजट 2013-14 की तुलना में 5 गुना हो गया है। आज 10 करोड़ किसानों के खातों में 18 हजार करोड़ की राशि भेजी गई है। गुजरात के 50 लाख से ज्यादा किसानों को भी इसका लाभ मिला है। इनके खातों में 1 हजार करोड़ रुपए जमा हुए हैं। बनासकांठा के किसानों के खातों में 50 करोड़ पहुंचे हैं।
- 25 साल में मैं पहली बार बनासकांठा आया हूं। 2001 में मुख्यमंत्री बनने के बाद मेरा मुख्यमंत्री के रूप में पहला सार्वजनिक कार्यक्रम, 93 लाख लोग आए थे। वो बनासकांठा में हुआ था।

कार्यवाई : कहा- कलेक्टर का फैसला गलत, प्रशासन ने 3 महीने पहले बैन लगाया था

सोमनाथ मंदिर के पास नॉनवेज बेचने पर रोक नहीं

तमसा संकेत, एजेंसी

अहमदाबाद। हाईकोर्ट ने शुक्रवार को सोमनाथ मंदिर के आसपास नॉन-वेज बेचने पर लगी रोक को हटा दिया। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि स्थानीय प्रशासन ने अपनी गलत शक्तियों का इस्तेमाल किया। गुजरात सरकार ने इस साल अगस्त में नोटिफिकेशन जारी किया था कि सोमनाथ मंदिर के 500 मीटर दायरे और मंदिर जाने वाले 6 मुख्य रास्तों पर नॉनवेज बनाना-बेचना पूरी तरह बैन होगा। इस फैसले के खिलाफ 7 रेस्टोरेंट मालिक ने याचिका लगाई थी। सरकार अब इस फैसले के खिलाफ डिवीजन बेंच या सुप्रीम कोर्ट में जा सकती है, लेकिन फिलहाल के लिए बैन खत्म है।

>> (शेष पेज 06 पर)

रेस्टोरेंट मालिक बोले- हम लाइसेंस के साथ कारोबार कर रहे

इस फैसले के खिलाफ सोमनाथ के 7 रेस्टोरेंट मालिक हाईकोर्ट गए। उनका दावा था कि- हम 20-25 साल से लाइसेंस लेकर चल रहे हैं, लेकिन सरकार इसे जबरदस्ती बंद करवा दिया। साथ ही एक व्यापारी को तो पुलिस चौकी में ले जाकर लिखवाया कि भविष्य में नॉन-वेज नहीं बेचेंगे। ये हमारे आर्टिकल 19(1)(g)- व्यापार करने के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है।

इस पर याचिकाकर्ताओं का कहना था कि सरकार हर बार पुराने ऑर्डर के ऊपर नया ऑर्डर लगाकर धीरे-धीरे पूरे सोमनाथ टाउन को ही वेज जोन बना रही है, बिना कोई नया कारण बताए।

नॉनवेज बैन से जुड़ी टाइमलाइन

- **2006 में पहला बैन:** उस समय गिर-सोमनाथ जिला नहीं बना था। पुलिस ने आदेश दिया कि सोमनाथ मंदिर के 500 मीटर के दायरे में और मंदिर से बस स्टैंड तक जाने वाली सड़क पर अंडा, मांस, मछली बेचना, रखना मना है। ये आदेश आज तक कोर्ट में चैलेंज नहीं हुआ था, इसलिए वैध माना जाता रहा।
- **2018 में दूसरा बैन:** वेरावल पाटण जॉइंट म्यूनिसिपैलिटी ने कहा कि सोमनाथ के कुछ मेन रोड्स को पूरा स्वेजिटेरियन जोनस्र घोषित किया जाएगा। इस बार एरिया और बढ़ा दिया गया। मौजूदा 7 में से 3 याचिकाकर्ताओं ने 2018 में ही इसको हाईकोर्ट में चैलेंज किया था, पर कोर्ट ने कोई स्टे नहीं दिया था, इसलिए केस तब से पेंडिंग था।
- **2019 में तीसरा बैन:** 2018 के एरिया में कुछ और नए रोड जोड़ दिए गए। इसे भी कोर्ट में चैलेंज नहीं किया गया।
- **2026 में चौथा बैन:** सरकार ने 2019 वाले को रिप्लेस कर दिया और उसमें 3 नए रास्ते/जोन और जोड़ दिए। इनमें त्रिवेणी संगम, भालका तीर्थ जाने वाले रास्ते और वो नए सर्कल जो सोमनाथ कॉरिडोर प्रोजेक्ट के बाद बने हैं, उन्हें भी शामिल किया गया।

'सहमति से बने संबंध ब्रेकअप के बाद रेप नहीं'

सुप्रीम कोर्ट बोला- हर टूटे रिश्ते को रेप केस में बदलना गलत

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि वयस्क युवक-युवती के बीच आपसी सहमति से बने शारीरिक संबंधों को ब्रेकअप के बाद रेप नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने शादी का वादा करके रिलेशन बनाने के आरोप वाले मामले में एक व्यक्ति को आरोपों से मुक्त कर दिया।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने कहा कि प्रेम और आपसी सहमति वाले रिश्ते में बने संबंधों को ब्रेकअप के बाद अपराध नहीं बनाया जा सकता।

हर टूटे रिश्ते को रेप का मामला

बनाना गलत है। हालांकि, अगर शुरुआत से ही शादी का झूठा वादा करके या धोखे से सहमति हासिल की गई थी, तो मामला अलग होगा। ऐसे मामलों में यह देखना जरूरी है कि क्या सहमति वास्तव में धोखे पर आधारित थी।

कई महिलाएं परिवार की इज्जत और सामाजिक बदनामी के डर से यौन हिंसा की शिकायत नहीं कर पातीं। उनकी परेशानी भी समझना जरूरी है।

6 जोन और 75 जिलों से जाएंगे कार्यकर्ता, आराधना मिश्रा ने संभाला कंट्रोल रूम

राहुल की रैली में यूपी 50 हजार कांग्रेसी होंगे शामिल

तैयारी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को होने वाली कांग्रेस की 'वोट बचाओ, देश बचाओ' महारैली के लिए उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने पूरी ताकत झोंक दी है। प्रदेश के सभी 6 जोन और 75 जिलों से कार्यकर्ताओं को दिल्ली पहुंचाने की तैयारी की जा रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना' ने खुद तैयारियों की कमान संभाल रखी है। लखनऊ स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के कंट्रोल रूम से सभी जिलों की तैयारियों की निगरानी की जा रही है। कांग्रेस का दावा है कि उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और लोकतंत्र समर्थक नागरिक दिल्ली पहुंचेंगे। पार्टी ने जिला अध्यक्षों, वरिष्ठ नेताओं, फ्रंटल संगठनों और विभागों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी हैं। दिल्ली स्थित केंद्रीय वार रूम से राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रभारी संगठन केसी वेणुगोपाल भी राज्यों में रैली की तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना' ने बताया कि पश्चिम, बृज, अवध, बुंदेलखंड, प्रयाग और पूर्वांचल समेत सभी 6 जोन में संगठनात्मक बैठकें की जा चुकी हैं। 75 जिलों के जिला अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं के साथ समन्वय बनाकर कार्यकर्ताओं को दिल्ली पहुंचाने की योजना तैयार की गई है।

राहुल की रैली को लेकर यूपी कांग्रेस की तैयारियां तेज।

राजेंद्र पाल गौतम ने सिविल सोसाइटी, सामाजिक संगठनों और प्रबुद्धजनों से भी संवाद कर उन्हें रैली में शामिल होने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में राहुल गांधी के नेतृत्व में हुए सुप्रीम कोर्ट मार्च में भी उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया था।

रामलीला मैदान से मताधिकार की आवाज उठाएगी कांग्रेस

आराधना मिश्रा 'मोना' ने कहा कि 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में उत्तर प्रदेश से कांग्रेस कार्यकर्ताओं और लोकतंत्र समर्थक नागरिकों की बड़ी भागीदारी होगी। उन्होंने कांग्रेसजनों से पूरी एकजुटता और अनुशासन के साथ रैली में शामिल होने की अपील की। कांग्रेस का कहना है कि इस महारैली के जरिए मताधिकार की सुरक्षा, लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती और जनता के संवैधानिक अधिकारों का मुद्दा उठाया जाएगा। पार्टी का फोकस उत्तर प्रदेश के सभी जिलों से अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने पर है।

पश्चिमी यूपी में इमरान मसूद, पूर्वांचल में देवेंद्र और आलोक को जिम्मेदारी

रैली में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश में अलग-अलग नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है। कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद इमरान मसूद पश्चिमी यूपी में मोर्चा संभाल रहे हैं। पार्टी के मुताबिक, वह अब तक 30 से अधिक संगठनात्मक बैठकें कर चुके हैं। वहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश से कार्यकर्ताओं को दिल्ली पहुंचाने की जिम्मेदारी वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष देवेंद्र निषाद और आलोक प्रसाद को दी गई है। दोनों नेता जोन और जिला स्तर पर बैठकें कर रहे हैं। इमरान मसूद ने भी पश्चिमी यूपी के विभिन्न जिलों का दौरा कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आम लोगों से दिल्ली पहुंचने की अपील की है।

राजधानी में 11 मिलीमीटर रिकॉर्ड हुई बारिश सुबह से शाम तक बरसे बादल

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में शुक्रवार को अलग-अलग इलाकों में बारिश हुई। सुबह से ही पूरे दिन ठंडी हवाएं चलने के साथ रिमझिम बारिश होती रही। पूरे दिन धूप नहीं निकली। दिन में 11 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई।

इस दौरान सामान्य अधिकतम तापमान सामान्य से 7.6 डिग्री कम होकर 23.8 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि रात में न्यूनतम तापमान सामान्य से 5.7 डिग्री अधिक रहा। इस दौरान न्यूनतम तापमान 21.9 डिग्री रहा है। अधिकतम आर्द्रता 98 फीसदी रही व न्यूनतम आर्द्रता 79 फीसदी रही।

मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है कि अर्नब चक्रवात और पश्चिमी विक्षोभ के आपस में मिलने की वजह से मौसम में यह बदलाव हुआ है। अगले 24 घंटे के दौरान लखनऊ सहित यूपी के कई इलाकों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ तेज बारिश भी संभव है। पारा इलाके में दुबग्गा रिंग रोड पर दोपहर से ही लगातार बारिश हो रही है। बारसात के चलते सड़क पर लोगों की आवाजाही कम है।

लखनऊ में सुबह 11 बजे से ही कई इलाकों में रुक-रुककर बारिश हो रही है। बारिश के बाद सड़कें गीली हो गई है।

KGMU कैंपस में बारिश हो रही है। यह वीडियो लिंब सेंटर का है। बारिश के चलते तीमारदारों को आवाजाही में दिक्कत हो रही है।

पारा में 11 बजे से रिमझिम बारिश हो रही थी। अब यहां भी बारिश तेज हो गई है। लखनऊ में सुबह से बादल छाए हुए थे। 11 बजे बारिश शुरू हो गई।

फास्ट न्यूज

भाषा विश्वविद्यालय में वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम

लखनऊ । लखनऊ के ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में अधिष्ठाता, छात्र कल्याण कार्यालय की ओर से एसबीआई लाइफ के सहयोग से वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। हाइब्रिड हॉल में हुए कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों और कर्मचारियों को वित्तीय नियोजन, बचत, निवेश, बीमा और आर्थिक सुरक्षा के प्रति जागरूक करना था।

डंपर ने बाइक सवार दंपती को कुचला

मोहनलालगंज । लखनऊ में गुरुवार शाम डंपर की टक्कर से बाइक सवार दंपती की मौत हो गई। हादसे में उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। डंपर टक्कर मारने के बाद दोनों को कुचलते हुए निकल गया। पुलिस ने तीनों को एंबुलेंस से पीजीआई के ट्रामा सेंटर-2 पहुंचाया था।

शुक्रवार को इलाज के दौरान पति-पत्नी ने दम तोड़ दिया, जबकि बेटे का इलाज जारी है। घटना मोहनलालगंज में हरकंश-गढ़ी के पास की है। ड्राइवर कुछ दूरी पर डंपर छोड़कर फरार हो गया। तीनों एक ही बाइक से अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए रायबरेली जा रहे थे।

लखनऊ बार काउंसिल अध्यक्ष का सम्मान

लखनऊ । लखनऊ में इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसि-एशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष गिरीश चंद्र वर्मा को बधाई दी गई। इस अवसर पर मिथिलेश सिंह ने चेंबर में पहुंचकर वरिष्ठ अधिवक्ताओं का स्वागत किया। कार्यक्रम में अधिवक्ता डीपी सिंह चौहान, डॉ. मुरलीधर सिंह, जयकुमार, राहुल श्रीवास्तव, शरद श्रीवास्तव, ललित सिंह, मुनेंद्र वर्मा और पुष्पेंद्र मिश्रा सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

जनता भाजपा को सबक सिखाने के मूड में है : चंद्रशेखर

अपने चहेतों को सरकारी नौकरी दे रही सरकार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष और सांसद चंद्रशेखर ने कहा कि जनता इस बार भाजपा को सबक सिखाने के मूड में है। सरकार अपने चहेतों को सरकारी नौकरी दे रही है। प्रदेश में हर सरकारी नौकरी की भर्ती में घोटाले का आरोप लग रहा है। सांसद ने आज लखनऊ में अमित शाह के दौरे को लेकर भी तंज किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की स्थिति इस समय प्रदेश में ठीक नहीं है, इसलिए बैठक हो रही है। चंद्रेशेखर शुक्रवार को कैसरबाग स्थित गांधी भवन प्रेक्षागृह में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) और भीम आर्मी की लीगल सेल की ओर से तीसरे अधिवक्ता सम्मेलन में शामिल हुए।

गृह मंत्री अमित शाह के आज लखनऊ दौरे पर हैं। 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर पार्टी के पदाधिकारियों के साथ मीटिंग कर रहे हैं। उनके बैठक को लेकर चंद्रशेखर ने कहा कि भाजपा को बैठक करनी चाहिए, क्योंकि उनकी पार्टी की स्थिति ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि बैठक से कुछ न कुछ परिणाम निकलेगा, अन्यथा जनता इस बार भाजपा को सबक सिखाने के मूड में है।

चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जब विपक्ष में थी, तब खूब आंदोलन करती थी, लेकिन आज प्रदेश में हालात ऐसे हैं कि आंदोलन करना तो दूर, पीड़ितों से मिलने जाने पर भी लोगों को हिरासत में ले लिया जाता है।

12 दिन तक चलेंगी अतिरिक्त रोडवेज बसें, त्योहारों पर घर पहुंचना होगा आसान, दिल्ली से पूर्वांचल के लिए बढ़ेंगी बसें

दीपावली-छठ पर योगी सरकार का तोहफा

- यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा पर जोर, बस अड्डों पर मिलेंगी बेहतर सुविधाएं
- 17 नवंबर तक होगा विशेष बस संचालन, चालक-परिचालकों को 400 रुपये प्रतिदिन प्रोत्साहन राशि भी मिलेगी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । योगी सरकार दीपावली और छठ पर्व पर यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष परिवहन व्यवस्था करने जा रही है। त्योहारों पर घर जाने वाले लोगों को बसों की कमी का सामना न करना पड़े, इसके लिए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) अतिरिक्त बसों का संचालन करेगा। 6 नवंबर से 17 नवंबर तक अधिक से अधिक बसें चलाने के निर्देश दिए गए हैं। खासतौर पर दिल्ली और दूसरे महानगरों से पूर्वांचल जाने वाले यात्रियों के लिए बसों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप सरकार का जोर त्योहारों के दौरान लोगों को सुरक्षित, सुविधाजनक और सुगम यात्रा उपलब्ध कराने पर है। छठ पर्व के दौरान पूर्वांचल के बड़ी संख्या में लोग दिल्ली, गाजियाबाद और अन्य महानगरों से अपने घर लौटते हैं। यात्रियों की इस बढ़ती संख्या को देखते हुए परिवहन निगम ने विशेष तैयारी शुरू कर दी है। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने निर्देश दिए हैं कि दिल्ली से पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए पर्याप्त संख्या में बसें चलाई जाएं। इसके अलावा लखनऊ और कानपुर के लिए भी अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की जाए।

सभी बसें सड़क पर उतारने के निर्देश

परिवहन मंत्री ने निर्देश दिए हैं कि प्रोत्साहन अवधि में निगम की सभी बसों को शत-प्रतिशत सड़क पर उतारा जाए। इसके लिए बसों की मरम्मत, जरूरी कलपुर्जों और अन्य संसाधनों की उपलब्धता पहले से सुनिश्चित करने को कहा गया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि किसी भी स्थिति में अनफिट बसों का संचालन नहीं किया जाएगा। अनुबंधित बसों के मालिकों को भी पहले से सूचना देकर बसों की मरम्मत कराने और उन्हें संचालन के लिए उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं। इस अवधि में विशेष परिस्थितियों को छोड़कर अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां भी स्वीकृत नहीं की जाएंगी। सभी की ड्यूटी रोस्टर के अनुसार लगाई जाएगी।

दिल्ली से गोरखपुर, वाराणसी और अयोध्या के लिए बढ़ेंगी बसें

त्योहारों पर यात्रियों की सुविधा के लिए दिल्ली से लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, अयोध्या और कानपुर के लिए अतिरिक्त बसें चलाई जाएंगी। इसके साथ ही गाजियाबाद, मुरादाबाद, मेरठ, बरेली, सहारनपुर, आगरा, अलीगढ़ और इटावा क्षेत्रों के लिए भी बसों की संख्या बढ़ाई जाएगी। क्षेत्रीय प्रबंधक यात्रियों की मांग के अनुसार बसों की संख्या घटा या बढ़ा सकेंगे। भैयादूज पर स्थानीय और आस-पास के जिलों में यात्रियों की संख्या बढ़ने को देखते हुए क्षेत्रीय अधिकारियों को विशेष व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे त्योहार के दौरान स्थानीय स्तर पर भी लोगों को आवागमन में परेशानी नहीं होगी।

चाचा को पुलिस ने गुंडा घोषित किया था, महिलाओं का पीछा करता था

ट्रिपल मर्डर करने वाले के चाचा-बहन पर इनाम

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में चबूतरे के विवाद में ट्रिपल मर्डर करने वाले ऋषभ शुक्ला का चाचा राजेश शुक्ला पहले से अपराधी है। पुलिस ने उसे गुंडा घोषित जिला-बदर किया था। हत्या के पीड़ित परिवार का आरोप है कि चाचा ही शातिर आरोपी है। इसी की सह पर ऋषभ ने 3 हत्याएं की हैं। उधर, पुलिस ने ऋषभ के चाचा राजेश शुक्ला और उसकी बहन दिव्या पर 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित कर दिया। घटना के बाद से दोनों फरार हैं।

लखनऊ पुलिस ने 7 महीने पहले 16 मार्च 2026 को राजेश शुक्ला के खिलाफ कार्रवाई की थी। तत्कालीन पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर ने आरोपी राजेश शुक्ला को 'गुंडा' घोषित करते हुए कमिश्नरेट लखनऊ की सीमाओं से 3 महीने के लिए जिलाबदर का आदेश दिया था। आरोपी के खिलाफ महिलाओं का पीछा, अभद्र टिप्पणी करने, मारपीट और धमकी देने जैसे मामले दर्ज हैं। राजेश पर साल 2020 में एक पीड़िता की शिकायत पर मारपीट और गाली-गलौज का मामला दर्ज हुआ था, जिसमें 9 दिसंबर 2020 को चार्जशीट दाखिल की गई।

शिवाजी तिवारी	सुयश तिवारी	शंभु तिवारी	ऋषभ शुक्ला
पिता	बेटा	सुयश के चाचा	हत्यारोपी

59 साल उम्र हो चुकी, इलाके में दहशत फैलाता था

सआदतगंज के ब्राह्मणी टोला, नौबस्ता निवासी राजेश शुक्ला मतलब ऋषभ के चाचा की उम्र 59 हो चुकी है। राजेश पर लंबे समय से इलाके में दहशत फैलाने का आरोप है। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी अपने साथियों के साथ मिलकर मारपीट, गाली-गलौज, धमकी देने के साथ-साथ महिलाओं पर तंज कसने और उनका पीछा करने जैसे अपराधों में शामिल रहा है। इसके डर की वजह से इलाके के लोग पुलिस में शिकायत या गवाही देने से कतराते थे।

आरोपी ने पुलिस को दी थी सफाई

नोटिस जारी होने के बाद राजेश शुक्ला ने अपने वकील के माध्यम से सफाई पेश करते हुए आरोपों को झूठा और रंजिश से प्रेरित बताया। उसने दावा किया था कि एक मामले में सुलह हो चुकी है और अन्य मामले इलाके में अवैध निर्माण का विरोध करने के कारण दर्ज कराए गए हैं। हालांकि, सआदतगंज थाना प्रभारी की आख्या और अभियोजन पक्ष के तर्कों में यह स्पष्ट किया गया कि आरोपी आदतन अपराध करता है। इससे यह समाज व लोक व्यवस्था के लिए खतरा बना हुआ है।

एलडीए का फैसला : एक व्यक्ति एक ही प्लॉट ले सकेगा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। नैमिष और वरुण विहार आवासीय योजनाओं में भूखंडों की तुलना में आवेदकों की संख्या करीब आठ गुना होने के बावजूद एक व्यक्ति को दो प्लॉट खरीदने की छूट देने का प्रस्ताव फिलहाल टल गया है। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने विरोध के बाद इसे दो नवंबर को होने वाली बोर्ड बैठक में नहीं रखने का फैसला किया है। दोनों योजनाओं में करीब 4500 भूखंडों के लिए 35 हजार से अधिक आवेदन आए हैं। ऐसे में एक आवेदक को दो भूखंड खरीदने की अनुमति देने के प्रस्ताव पर सवाल उठाए गए हैं।

नैमिष और वरुण विहार योजनाओं में उपलब्ध भूखंडों के मुकाबले आवेदन 7.78 गुना अधिक हैं। इस स्थिति में एक व्यक्ति को दो भूखंड खरीदने की अनुमति देने से अधिक आवेदकों को मौका देने की व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। एलडीए के पूर्व बोर्ड सदस्य और भाजपा के पूर्व पार्षद रामकृष्ण यादव ने प्रस्ताव पर आपत्ति जताते हुए कहा कि जब प्राधिकरण सभी आवेदकों को भूखंड उपलब्ध नहीं करा पा रहा है, तो एक व्यक्ति को दो भूखंड खरीदने की छूट देने का औचित्य नहीं है। उन्होंने मौजूदा एक व्यक्ति-एक भूखंड का नियम बरकरार रखने की मांग की।

रामकृष्ण यादव ने कहा कि जिन्हें एक से अधिक भूखंड चाहिए, वे पुनर्विक्रय के जरिए दूसरा भूखंड खरीद सकते हैं। प्राधिकरण को अधिक से अधिक लोगों को आवास उपलब्ध कराने और अवैध प्लॉटिंग पर रोक लगाने पर ध्यान देना चाहिए। एलडीए बोर्ड के पूर्व सदस्य और भाजपा नेता गोविंद पांडेय ने भी प्रस्ताव पर सवाल उठाए।

आयोजन : दयाबस्ती में आयोजित हुई निरीक्षण सह विदाई परेड, जवानों ने मार्च-पास्ट कर दी सलामी

आरपीएफ की पहली महिला महानिदेशक सोनाली मिश्रा को दी गई भव्य विदाई

- आरपीएफ की पहली महिला महानिदेशक सोनाली मिश्रा को दी गई भव्य विदाई, 31 अक्टूबर को होंगी सेवानिवृत्त
- आधुनिकीकरण और तकनीक आधारित सुरक्षा में योगदान को किया याद

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की निवर्तमान महानिदेशक सोनाली मिश्रा को शुक्रवार को भव्य समारोह के साथ विदाई दी गई। रेलवे सुरक्षा विशेष बल की छठी बटालियन (6BN/RPSF), दयाबस्ती में उनके सम्मान में निरीक्षण सह विदाई परेड का आयोजन किया गया। इस दौरान आरपीएफ और आरपीएसएफ के जवानों ने अनुशासन और समर्पण का प्रदर्शन करते हुए मार्च-पास्ट किया और अपनी महानिदेशक को सलामी दी। सोनाली मिश्रा 31 अक्टूबर 2026 को सेवानिवृत्त हो रही हैं। वह रेलवे सुरक्षा बल की पहली महिला महानिदेशक रही हैं।

विदाई समारोह में विभिन्न टुकड़ियों ने शानदार मार्च-पास्ट किया। निरीक्षण वाहन से सोनाली मिश्रा ने जवानों की परेड का निरीक्षण किया। इस दौरान सैन्य बैंड की धुनों ने समारोह को विशेष बना दिया। उन्होंने जवानों की वर्दी, अनुशासन, सज्जा और आत्मविश्वास का बारीकी से निरीक्षण किया। परेड के माध्यम से जवानों ने उनके नेतृत्व के प्रति सम्मान और बल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। सोनाली मिश्रा मध्य प्रदेश कैडर की 1993 बैच की वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी हैं। उनका पुलिस सेवा में तीन दशक से अधिक का अनुभव रहा है। मध्य प्रदेश में उन्होंने जबलपुर, सीहोर और इंदौर समेत कई जिलों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। इसके बाद उन्होंने नीमच और रायसेन में पुलिस अधीक्षक (एसपी) तथा जबलपुर रेंज में पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) के रूप में सेवाएं दीं।

आधुनिकीकरण और तकनीक आधारित सुरक्षा पर दिया जोर

सोनाली मिश्रा ने 1 अगस्त 2025 को आरपीएफ महानिदेशक का पदभार संभाला था। उनके कार्यकाल में रेलवे सुरक्षा बल के आधुनिकीकरण, तकनीक आधारित सुरक्षा प्रणालियों और जवानों की व्यावसायिक दक्षता बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया। इसके साथ ही यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे नेटवर्क को प्रभावित करने वाले अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए भी कई विशेष उपाय किए गए।

किसानों की समृद्धि, खुशहाली और आर्थिक आत्मनिर्भरता प्रधानमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकता

9.34 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में पहुंचे 18,690 करोड़ से अधिक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा देश के 9.34 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खातों में 24वीं किस्त के रूप में 18,690 करोड़ से अधिक की धनराशि हस्तांतरित किए जाने पर प्रधानमंत्री जी का हार्दिक आभार एवं अभिनंदन व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि दीपावली से पूर्व देश के करोड़ों अन्नदाताओं के खातों में सम्मान निधि की धनराशि पहुंचना किसानों के लिए खुशियों और आर्थिक संबल का उपहार है। यह केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि देश के अन्नदाताओं के प्रति प्रधानमंत्री जी की संवेदनशीलता, प्रतिबद्धता और उनके सम्मान का प्रतीक है। उप मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने किसानों को देश की अर्थव्यवस्था और विकास की धुरी मानते हुए उनके हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी ऐतिहासिक योजना ने किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के साथ-साथ उनके आत्मसम्मान और आत्मविश्वास को भी नई ऊर्जा प्रदान की है। सीधे किसानों के बैंक खातों में धनराशि हस्तांतरित होने से बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई है और पारदर्शिता के साथ वास्तविक लाभार्थियों तक सहायता पहुंच रही है। यह सुशासन और तकनीक के प्रभावी उपयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि किसान दिन-रात परिश्रम करके देशवासियों के लिए अन्न का उत्पादन करता है। उसकी मेहनत से देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होती है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। इसलिए किसानों की आय बढ़ाना, खेती की लागत कम करना, कृषि को लाभकारी बनाना, सिंचाई एवं कृषि सुविधाओं का विस्तार करना और किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़ना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में डबल इन्जन सरकार किसानों को आर्थिक सहायता देने के साथ ही उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने, कृषि अवसंरचना को मजबूत करने और खेती को आधुनिक एवं तकनीक आधारित बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

51 लाख रुपये तक लगी बोली, मालिक ने बेचने से किया इनकार

देवा महोत्सव में 27 महीने का घोड़ा बना आकर्षण

लोकप्रियता

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। देवा महोत्सव में इस बार एक खास घोड़ा पशु प्रेमियों और किसानों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। महज 27 महीने की उम्र वाले इस घोड़े को देखने के लिए मेले में लोगों की भीड़ उमड़ रही है। इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अब तक इसके लिए 51 लाख रुपये तक की बोली लग चुकी है। हालांकि, घोड़े के मालिक ऋषि महाराज ने इसे बेचने से साफ इनकार कर दिया है। उनका कहना है कि वह घोड़े को

बिक्री के लिए नहीं, बल्कि प्रजनन (ब्रीडिंग) के उद्देश्य से देवा महोत्सव में लेकर आए हैं। 27 अक्टूबर से शुरू हुआ देवा महोत्सव 5 नवंबर तक चलेगा। मेले में दूर-दराज के क्षेत्रों से पशुपालक, किसान और पशु प्रेमी पहुंच रहे हैं।

महज 27 महीने की उम्र में ही इस घोड़े ने अपनी अलग पहचान बना ली है। मेले में इसकी बनावट और नस्ल को लेकर पशुपालक और घोड़ों के शौकीन जानकारी ले रहे हैं। इसकी लोकप्रियता के चलते दूर-दराज से आए लोग भी इसे देखने पहुंच रहे हैं।

51 लाख तक पहुंची बोली, फिर भी नहीं बेचेंगे मालिक

घोड़े के मालिक ऋषि महाराज ने बताया कि 'आठवां अजूबा' की मांग लगातार बढ़ रही है। मेले में अब तक इसके लिए 51 लाख रुपये तक की बोली लगाई जा चुकी है। इतनी बड़ी रकम की पेशकश के बावजूद उनका घोड़े को बेचने का कोई इरादा नहीं है। उनका कहना है कि घोड़े को उन्होंने खास उद्देश्य से तैयार किया है। वह इसकी नस्ल और खूबियों को आगे बढ़ाना चाहते हैं। यही वजह है कि अच्छी कीमत मिलने के बावजूद वह इसे अपने पास ही रखना चाहते हैं। ऋषि महाराज के मुताबिक, 'आठवां अजूबा' पंजाब की मशहूर समुद्र लाइफ नस्ल का घोड़ा है। इसके पिता का नाम 'अजूबा' था। उसी के नाम और पहचान को आगे बढ़ाते हुए इसका नाम 'आठवां अजूबा' रखा गया है।

जौनपुर के 6.86 लाख किसानों के खातों में किस्त पहुंची

जौनपुर। जौनपुर के 6 लाख 86 हजार 146 किसानों के खातों में शुक्रवार दोपहर 12 बजे किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त भेजी गई। हर किसान को 2,000 रुपए मिले। प्रधानमंत्री ने गुजरात के बनासकांठा से किस्त जारी की।

इस मौके पर कलेक्ट्रेट सभागार में 'पीएम किसान उत्सव दिवस' का आयोजन हुआ। मुख्य विकास अधिकारी नरेंद्र बहादुर सिंह की मौजूदगी में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। किसानों ने उनका संबोधन सुना। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि जिले के किसानों के खातों में कुल 1 अरब 23 करोड़ रुपए भेजे गए। जिले में अब तक योजना के 9,55,807 लाभार्थियों को कुल 3,142.06 करोड़ रुपए मिल चुके हैं। किसानों को खातों में राशि पहुंचने का संदेश मिला। उन्होंने प्रधानमंत्री के प्रति आभार जताया। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी ने किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों को मसूर के मिनीकिट बीज मुफ्त बांटे।

श्रद्धालुओं के लिए मुफ्त बस सेवा शुरू

उन्नाव के गांधी नगर तिराहे से कथा स्थल तक चलेंगी बसें

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव सदर में श्री शिव महापुराण कथा में जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए मुफ्त बस सेवा शुरू की गई। बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम में आयोजक की गैरमौजूदगी में उनके बेटे प्रखर गुप्ता शामिल हुए। यह कथा जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष अरुण सिंह ने आयोजित की है। कथा पंडित प्रदीप मिश्रा सुना रहे हैं। बसें गांधी नगर तिराहे से NH-31, गौरी बीघापुर स्थित कथा स्थल तक चलेंगी। सेवा का मकसद श्रद्धालुओं को कथा स्थल तक पहुंचने में मदद करना है। कार्यक्रम में पावन सिंह, प्रदीप, मोती नगर के सभासद बृजेश पांडेय और पूर्व सभासद अमित पाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे। यह पहले सदा विधायक पंकज गुप्ता द्वारा शुरू की गई।

फास्ट न्यूज

बेमौसम बारिश से तैयार खेतों में बढ़ी नमी

उन्नाव। उन्नाव के सिकंदरपुर करन ब्लॉक क्षेत्र में शुक्रवार को हुई बेमौसम बारिश से मौसम का मिजाज बदल गया। बारिश के साथ ठंडी हवाएं चलने से तापमान में गिरावट आई और ठंड बढ़ गई। अचानक बदले मौसम से आम जनजीवन प्रभावित हुआ। वहीं, खेतों में गेहूं और अन्य रबी फसलों की बुवाई की तैयारी भी प्रभावित हुई है। शुक्रवार सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। इसके बाद कई घंटों तक रुक-रुककर हल्की बारिश होती रही।

उधार रुपए मांगने पर युवक को पीटा

सफीपुर। उन्नाव के आसीवन थाना क्षेत्र के जजरौली गांव में उधार के रुपए मांगने पर चार लोगों ने एक युवक को लाठी-डंडों से पीटकर घायल कर दिया। पुलिस ने उसे मियागंज सीएचसी में भर्ती कराया। चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

घायल युवक की पहचान कुरसठ ग्रामीण के मजरा जजरौली निवासी गुड्डू (24), पिता जगमोहन के रूप में हुई है। गुड्डू ने शुक्रवार को पुलिस को दी शिकायत में बताया कि करीब एक महीने पहले उसने गांव के शुभम को 1,500 रुपए उधार दिए थे।

उन्नाव में पटाखे जलाने पर विवाद

दबंगों ने महिला और परिजनों को लाठी-डंडों से पीटा

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। पटाखे जलाने को लेकर शुरू हुआ विवाद उन्नाव जिले के गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत देवारा कला बेहटा गांव में पटाखे जलाने की बात को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया।

विवाद इतना बढ़ा कि दबंगों ने एक महिला और उसके परिजनों को दौड़ा-दौड़कर लाठी-डंडों से पीट दिया। शुक्रवार दोपहर 1 बजे इस पूरी घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। गांव की रहने वाली पीड़िता पूनम पत्नी जगदीश ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गुरुवार देर रात पड़ोसियों द्वारा पटाखे जलाए जा रहे थे। जब उसने इस बात की शिकायत पड़ोसी से की, तो वे आगबबूला हो गए।

आरोप है कि इसी रंजिश के चलते पड़ोसियों ने पूनम को ज़मीन पर गिराकर लाठी-डंडों और लात-घूंसों से बेरहमी से पीटा। चीख-पुकार सुनकर जब पूनम को बचाने के लिए उसके परिजन मौके पर पहुंचे, तो आरोपियों ने उन्हें भी नहीं बख्शा और उनके साथ भी जमकर मारपीट की। इस घटना में महिला समेत उसके परिजनों को गंभीर चोटें आई हैं।

डिप्टी सीएम ने एक हफ्ते में मांगी रिपोर्ट, उन्नाव के एसीएमओ पर रिश्वत लेने का आरोप

सील अस्पताल नए नाम से चलाने के आरोपों की जांच

डिप्टी सीएम ने जांच के दिए निर्देश।

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। लखनऊ, कानपुर और उन्नाव में स्वास्थ्य विभाग की ओर से सील किए गए अस्पतालों को कथित तौर पर दूसरे नाम से दोबारा संचालित करने और मरीजों से अवैध वसूली के आरोपों की जांच होगी। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो का शासन ने संज्ञान लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए डिप्टी सीएम एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने जांच के निर्देश दिए हैं। शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे उन्होंने प्रमुख सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को स्वास्थ्य महानिदेशालय स्तर पर तीन सदस्यीय जांच टीम गठित करने को कहा। जांच टीम को एक सप्ताह के भीतर

उन्नाव में ACMO नरेंद्र कुमार पर रिश्वत लेने का आरोप।

अपनी रिपोर्ट शासन को सौंपनी होगी। इसके साथ ही जांच में दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों और अन्य संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई का प्रस्ताव भी देना होगा। जांच के दायरे में यह पता लगाया जाएगा कि सील किए गए अस्पताल किन परिस्थितियों में दोबारा संचालित हो रहे हैं।

तीन शहरों में अस्पतालों के संचालन की होगी जांच

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के निर्देश पर गठित होने वाली तीन सदस्यीय टीम लखनऊ, कानपुर और उन्नाव के मामलों की जांच करेगी। टीम यह पता लगाएगी कि जिन अस्पतालों को स्वास्थ्य विभाग ने नियमों का उल्लंघन करने पर सील किया था, वे दोबारा किस आधार पर संचालित हो रहे हैं। जांच में अस्पतालों के नाम, पंजीकरण, संचालन की अनुमति और संबंधित विभागीय अधिकारियों की भूमिका की पड़ताल की जाएगी। इसके अलावा मरीजों से अवैध वसूली के आरोपों की भी जांच होगी। शासन यह जानना चाहता है कि सीलिंग की कार्रवाई के बावजूद अस्पतालों का संचालन कैसे संभव हुआ और इसमें किसी अधिकारी या कर्मचारी की मिलीभगत तो नहीं है।

सील अस्पताल को दूसरे नाम से चलाने में रिश्वत का आरोप

उन्नाव के मामले में स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (ACMO) डॉ. नरेंद्र कुमार पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि उन्होंने सील किए जा चुके एक अस्पताल को दूसरे नाम से दोबारा संचालित कराने के लिए रिश्वत ली। इस मामले में जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने भी जांच के लिए एक टीम गठित की है। जिलाधिकारी की ओर से गठित टीम आरोपों और उपलब्ध साक्ष्यों की पड़ताल करेगी।

डॉ. नरेंद्र कुमार को लेकर यह दावा भी किया गया है कि वह करीब 20 वर्षों से उन्नाव जिले में तैनात हैं। हालांकि, उनकी तैनाती की पूरी अवधि और रिश्वत के आरोपों से जुड़े तथ्यों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जांच में उनकी तैनाती और संबंधित मामलों में भूमिका से जुड़े तथ्यों को भी देखा जा सकता है।

नरेश अग्रवाल और जिलाध्यक्ष पर टिप्पणी

हरदोई। हरदोई में भाजपा के पूर्व सांसद नरेश अग्रवाल और जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित अमर्यादित टिप्पणियां करने के मामले में पुलिस ने FIR दर्ज की है। भाजपा कार्यकर्ता गौरव शुक्ला की शिकायत पर कोतवाली शहर में मामला दर्ज किया गया। FIR का नंबर भी 786 बताया गया है।

हरदोई में दो सड़क हादसों में 2 मजदूरों की मौत

एक को कार ने टक्कर मारी, दूसरे की बाइक की टक्कर में गई जान

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में करवा चौथ पर दो सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। दोनों हादसे गुरुवार शाम करीब 6:30 बजे हुए। पर्व पर पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखकर उनकी सलामती की दुआ मांग रहीं दो महिलाओं को पति की मौत की खबर मिली। इससे दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। शुक्रवार दोपहर 1:30 से 2:45 बजे के बीच दोनों शवों का पोस्टमॉर्टम कराया गया। बघौली थाना क्षेत्र के गंभीर पुरवा, मरसजरा बर्रा धूमन निवासी 40 वर्षीय रामजीवन मजदूरी करते थे। गुरुवार शाम वह बघौली बाजार में थे। इसी दौरान सड़क पार करते समय तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन और स्थानीय लोग उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), कछौना ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रामजीवन के परिवार में पत्नी छोटी, एक बेटा और चार बेटियां हैं। करवा चौथ के दिन पति की मौत की खबर मिलते ही पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। दूसरा हादसा मझिला थाना क्षेत्र में हुआ। बौटहाई मजरा जमुरा निवासी 30 वर्षीय सत्यपाल पुत्र रामसागर मजदूरी करते थे। गुरुवार देर शाम वह आलमनगर बाजार से काम खत्म करके बाइक से घर लौट रहे थे। रास्ते में आलमनगर और बौटहाई गांव के बीच सुखेता पुल के पास उनकी बाइक सामने से आ रही दूसरी बाइक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सत्यपाल की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दूसरी बाइक पर सवार गांव का युवक बाल-बाल बच गया। सत्यपाल की मौत की खबर मिलते ही पत्नी शिववती और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस दोनों हादसों की जांच कर रही है।

16 नवंबर से स्व-गणना शुरू होगी

1 दिसंबर से 4 जनवरी तक प्रगणक घर-घर जाएंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। जिले में जनगणना-2027 के दूसरे चरण की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसके तहत 16 से 30 नवंबर 2026 तक नागरिकों को स्व-गणना का अवसर दिया जाएगा। इस दौरान लोग स्वयं अपनी और परिवार के सदस्यों की जानकारी दर्ज कर सकेंगे। इसके बाद 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक प्रगणक घर-घर जाकर जनसंख्या की गणना करेंगे। जिला प्रशासन ने नागरिकों से जनगणना में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने और सही जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की है। जिला जनगणना अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सुशील कुमार गोंड ने शुक्रवार को जिले के लोगों से जनगणना कार्य में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनगणना केवल आबादी की संख्या जानने की प्रक्रिया नहीं है।

सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों में काम आएंगे आंकड़े

जिला जनगणना अधिकारी ने बताया कि जनगणना से मिलने वाले आंकड़े सरकार और प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। इनके आधार पर जनसंख्या के अनुपात में सरकारी योजनाओं की जरूरत तय करने, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, सड़क और अन्य जनसुविधाओं की योजना बनाने में मदद मिलती है। इसके अलावा जिले में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर बंटवारा करने और भविष्य की विकास योजनाएं तैयार करने में भी जनगणना के आंकड़ों की अहम भूमिका होती है।

मई-जून में पूरा हुआ था पहला चरण

सुशील कुमार गोंड ने बताया कि उत्तर प्रदेश में जनगणना के पहले चरण के तहत मई-जून 2026 में मकानों की सूची बनाने और उनकी गणना का काम पूरा किया गया था। इस दौरान जिले के लोगों ने प्रशासन को सहयोग दिया। उन्होंने पहले चरण में सहयोग करने वाले नागरिकों का आभार जताया। अब दूसरे चरण में जनसंख्या से संबंधित आंकड़े जुटाए जाएंगे। इसके लिए स्व-गणना और घर-घर सर्वेक्षण की व्यवस्था की गई है। प्रशासन की कोशिश है कि पूरी प्रक्रिया निर्धारित समयसीमा में पूरी हो और आंकड़ों में किसी तरह की कमी न रहे।

> **सुशील कुमार गोंड ने जिले के नागरिकों से अपील की कि वे जनगणना-2027 में पूरी जिम्मेदारी के साथ भागीदारी करें। स्व-गणना के दौरान सही जानकारी दर्ज करें और प्रगणकों के घर पहुंचने पर भी उन्हें जरूरी विवरण उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि जनगणना की सफलता जनसहभागिता पर निर्भर करती है।**

सतर्कता : जेल की व्यवस्थाओं को लेकर किया संयुक्त निरीक्षण

त्योहारों के मद्देनजर हरदोई जेल पहुंचे डीएम-एसपी सुरक्षा व्यवस्था परखी

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में त्योहारों के मद्देनजर शुक्रवार 30 अक्टूबर को 12 बजे जिला प्रशासन और पुलिस विभाग कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्कता बरत रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को जिलाधिकारी राहुल पांडेय और पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने जिला कारागार हरदोई का संयुक्त निरीक्षण किया। अधिकारियों ने जेल में बंदियों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। दिनांक 30 अक्टूबर 2026, दिन शुक्रवार को जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक हरदोई जिला कारागार पहुंचे। यहां उन्होंने कारागार में बंदियों की सुरक्षा के लिए किए गए इंतजामों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने जेल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए संबंधित जिम्मेदारों से व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन विशेष सतर्कता बरत रहा है। ऐसे में जिला कारागार की सुरक्षा व्यवस्था को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अधिकारियों ने संबंधित जिम्मेदारों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए जेल की सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त बनाए रखने पर जोर दिया। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के संयुक्त निरीक्षण से त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन की सक्रियता सामने आई है।

संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी

सार्वजनिक स्थानों, बाजारों और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी के साथ ही अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर भी सतर्कता बरती जा रही है। जिला कारागार का निरीक्षण भी इसी सतर्कता का हिस्सा माना जा रहा है। अधिकारियों ने जेल प्रशासन को सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कारागार में सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जेल प्रशासन को सुरक्षा इंतजामों पर लगातार निगरानी रखने और किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने कारागार में बंदियों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने जेल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने और बंदियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी लगातार सक्रिय हैं।

बारिश के बीच पीईटी परीक्षा

19,488 अभ्यर्थी होंगे शामिल, केंद्रों तक पहुंचने में परेशानी

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली में शुक्रवार तड़के से हो रही बारिश और जलभराव के बीच 24 केंद्रों पर प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) हो रही है। इससे अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में परेशानी हो रही है। परीक्षा में कुल 19,488 अभ्यर्थी दो पालियों में शामिल होंगे। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। परीक्षा की निगरानी के लिए केंद्रों पर स्टैटिक और सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। व्यवस्था पर नजर रखने के लिए अलग टीमें भी बनाई गई हैं। गुरुवार को जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की थी। एसपी रवि कुमार ने पुलिसकर्मियों को सुबह से तय केंद्रों पर पहुंचकर सुरक्षा संभालने के निर्देश दिए थे। शहर के प्रमुख चौराहों और मुख्य सड़कों पर पानी भरने से सार्वजनिक परिवहन पर असर पड़ा है। ऑटोरिक्शा और बसें नहीं मिलने से कई अभ्यर्थी घंटों सड़कों पर खड़े रहे। कुछ लोग बारिश में पैदल ही परीक्षा केंद्रों की ओर गए। एक अभ्यर्थी ने बताया, सुबह से रुक-रुककर भारी बारिश हो रही है। ऑटो नहीं मिल रहे हैं और जो मिल रहे हैं, वे मनमाना किराया वसूल रहे हैं। समय पर केंद्र पहुंचना चुनौती बन गया है।

सम्पादकीय

साइबर ठगी पर सख्ती

सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी सराहनीय है कि यदि साइबर धोखाधड़ी के मामलों में बैंकों की गलती या लापरवाही पाई जाती है तो उन्हें पीड़ित व्यक्ति को भरपाई करनी होगी। यह निराशाजनक है कि बैंक असामान्य लेनदेन को भांप पाने में नाकाम हैं, जबकि उन्हें इसके प्रति अतिरिक्त सतर्कता बरतनी चाहिए, क्योंकि साइबर धोखाधड़ी के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं और यह धोखाधड़ी बैंकों के माध्यम से ही हो रही है।

साइबर अपराधी फर्जी पुलिस, कस्टम, सीबीआइ, ईडी अथवा आयकर अधिकारी के रूप में लोगों को डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर ठगने में लगे हुए हैं। उनके झांसे में आकर कोई व्यक्ति जैसे ही उनकी ओर से बताए गए खाते में धनराशि ट्रांसफर करता है, वैसे ही वह एक के बाद एक दूसरे खातों में स्थानांतरित होती जाती है और अधिकांश मामलों में अपराधियों तक पहुंच पाना कठिन हो जाता है। अनेक मामलों में तो यह सामने आया है कि साइबर छल के जरिये हासिल की गई राशि विदेश पहुंच गई।

साइबर अपराधी डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर तो लोगों को ठगने का काम कर ही रहे हैं, उन्हें लालच देकर अथवा बहकाकर भी ठगी कर रहे हैं। इस ठगी में भी बैंक ही माध्यम बनते हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि साइबर धोखाधड़ी के कुछ मामलों में बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत पाई गई है। ऐसे कुछ कर्मचारियों-अधिकारियों की गिरफ्तारी भी हुई है। एक विडंबना यह भी है कि बैंक म्यूल खातों की पहचान और निगरानी नहीं कर पा रहे हैं, जबकि साइबर ठगी के लिए ऐसे ही खातों का इस्तेमाल होता है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कुछ मामलों में साइबर अपराधी पकड़ में आ जाते हैं और चंद लोगों को छल-छद्म से हड़पी गई राशि भी वापस हो जाती है, लेकिन सच्चाई यही है कि साइबर अपराधियों का दुस्साहस और उनका दायरा बढ़ता चला जा रहा है। अधिकांश मामलों में लोगों को उनकी राशि कभी वापस नहीं मिल पाती।

साइबर अपराधी किस तरह बेलगाम हो गए हैं और वे किस बड़े पैमाने पर लोगों को ठगने का काम कर रहे हैं, इसका पता कुछ माह पहले सामने आए इस आंकड़े से लगता है कि अभी तक 54 हजार करोड़ रुपये की साइबर धोखाधड़ी हो चुकी है। यह राशि कुछ राज्यों के बजट से भी अधिक है।

यह अच्छा है कि सुप्रीम कोर्ट साइबर धोखाधड़ी के मामलों के प्रति लगातार कठोर रुख अपना हुए है और गत दिवस उसने रिजर्व बैंक के प्रस्तावित केवाईसी संशोधन निर्देशों की समीक्षा करने की भी बात कही, लेकिन उचित यह होगा कि सरकारी एजेंसियां भी अपनी सक्रियता दिखाएं, क्योंकि अभी तक तो साइबर अपराधी उनसे दो हाथ आगे ही नजर आ रहे हैं। यह स्थिति डिजिटल लेनदेन की व्यवस्था पर लोगों का भरोसा कम करने वाली है।

सरदार पटेलः नये भारत के शिल्पकार और स्वप्नद्रष्टा युगपुरुष

> सरदार पटेल केवल रियासतों को जोड़ने वाले शिल्पकार नहीं थे, वे बिखरी हुई राष्ट्रीय चेतना को एक संकल्प में बदलने वाले युगपुरुष थे। उनकी जयंती पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि भारत की एकता को केवल इतिहास की उपलब्धि नहीं, वर्तमान का उत्तरदायित्व और भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी बनाएंगे।

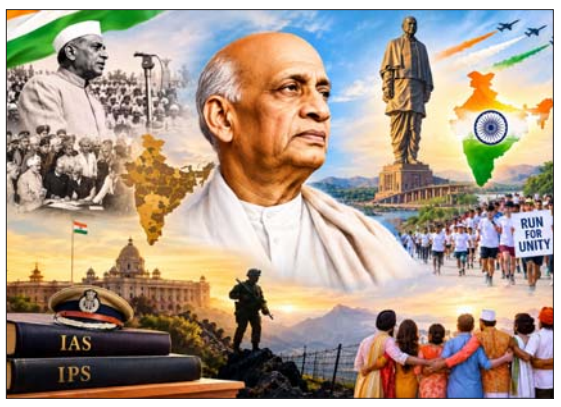

किसी राष्ट्र का निर्माण केवल स्वतंत्रता प्राप्त कर लेने से नहीं होता, बल्कि स्वतंत्रता को एकता, अखंडता, सुरक्षा और सामूहिक संकल्प की शक्ति में बदलने से होता है। भारत की स्वतंत्रता के बाद यह सबसे बड़ी चुनौती थी। देश के सामने रियासतों का बिखराव था, विभाजन की पीड़ा थी, सांप्रदायिक तनाव था, सीमाओं पर असुरक्षा थी और नवजात लोकतंत्र के सामने अनेक राजनीतिक एवं प्रशासनिक संकट थे। ऐसे कठिन समय में यदि किसी एक व्यक्तित्व ने भारत को भौगोलिक ही नहीं, बल्कि राजनीतिक और राष्ट्रीय दृष्टि से एक सूत्र में पिरोने का ऐतिहासिक दायित्व निभाया, तो वे थे सरदार वल्लभभाई पटेल। उनकी 151वीं जयंती पर मनाया जाने वाला राष्ट्रीय एकता दिवस केवल एक महापुरुष का स्मरण नहीं, बल्कि भारत की सामूहिक शक्ति, राष्ट्रीय स्वाभिमान और दूरदर्शी नेतृत्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने का अवसर है। सरदार पटेल का व्यक्तित्व उस चट्टान की तरह था, जिस पर कठिन से कठिन परिस्थितियों की लहरें टकराकर लौट जाती थीं। स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी दृढ़ता, संगठन क्षमता और जन नेतृत्व ने उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में विशिष्ट स्थान दिलाया था। खेड़ा सत्याग्रह और बारडोली आंदोलन ने उन्हें किसानों के संघर्ष का नायक बनाया। बारडोली की महिलाओं द्वारा दिया गया 'सरदार' संबोधन आगे चलकर उनके व्यक्तित्व की राष्ट्रीय पहचान बन गया। लेकिन उनकी वास्तविक ऐतिहासिक भूमिका स्वतंत्रता के बाद सामने आई, जब भारत को एक राष्ट्र के रूप में संगठित करना सबसे बड़ी आवश्यकता थी।

उस समय देश में 562 से अधिक रियासतें थीं। अनेक रियासतों के शासक स्वतंत्र अस्तित्व बनाए रखने अथवा भारत से अलग रहने की आकांक्षा रखते थे। ऐसी स्थिति में भारत का राजनीतिक मानचित्र खंडित हो सकता था। सरदार पटेल ने अपनी राजनीतिक दृढ़ता, असाधारण कूटनीति और व्यावहारिक बुद्धिमत्ता से इस चुनौती का समाधान किया। उन्होंने जहां आवश्यकता हुई वहां संवाद का सहारा लिया, जहां जरूरी हुआ वहां दृढ़ता दिखाई और जहां राष्ट्रीय हित सर्वोपरि था वहां किसी दबाव के सामने झुकने से इनकार कर दिया। हैदराबाद का भारत में विलय इसका उल्लेखनीय उदाहरण है। यह केवल रियासतों का विलय नहीं था, बल्कि एक आधुनिक राष्ट्र की आधारशिला रखने वाला ऐतिहासिक अभियान था। पटेल की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे राजनीति को सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, राष्ट्र निर्माण का दायित्व मानते थे। उनके लिए राष्ट्रीय हित किसी दल, विचारधारा, क्षेत्र अथवा समुदाय से ऊपर था। वे जानते थे कि स्वतंत्रता की रक्षा केवल भावनात्मक नारों से नहीं हो सकती। इसके लिए मजबूत प्रशासन, अनुशासित शासन, स्पष्ट विदेश नीति और आंतरिक सुरक्षा की ठोस व्यवस्था आवश्यक है। पाकिस्तान की नीतियों, कश्मीर के प्रश्न और सीमावर्ती क्षेत्रों की चुनौतियों को लेकर उनकी चिंताएं इसी राष्ट्रीय सुरक्षा दृष्टि का प्रमाण थीं। चीन की तिब्बत संबंधी नीति को लेकर उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को 7 नवंबर 1950 को लिखे पत्र में जिस प्रकार आगाह किया था, वह उनकी सामरिक दूरदृष्टि का महत्वपूर्ण दस्तावेज है। उन्होंने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों में सद्भावना के साथ-साथ सतर्कता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा को भी अनिवार्य माना। सरदार पटेल की दूरदर्शिता का एक और महत्वपूर्ण पक्ष भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था का निर्माण था। स्वतंत्रता के बाद अनेक लोग अंग्रेजों की बनाई प्रशासनिक सेवाओं को समाप्त करने के पक्ष में थे, लेकिन पटेल ने इनके महत्व को समझा। उन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा जैसी अखिल भारतीय सेवाओं को मजबूत आधार प्रदान किया। उनका मानना था कि देश की एकता और प्रशासनिक स्थिरता के लिए ऐसी संस्थाएं जरूरी हैं, जो राजनीतिक परिवर्तन के बावजूद राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाती रहें। उन्होंने अधिकारियों में यह विश्वास पैदा किया कि अब उनकी निष्ठा किसी विदेशी शासन के प्रति नहीं, बल्कि स्वतंत्र भारत और उसके नागरिकों के प्रति होनी चाहिए। इसीलिए उन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवाओं का संरक्षक भी कहा जाता है। उनकी राजनीतिक दृष्टि में दृढ़ता थी, लेकिन वह हठधर्मिता नहीं थी। वे जानते थे कि राष्ट्र केवल कानून और प्रशासन से नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास और नागरिक उत्तरदायित्व से भी मजबूत होता है। वे राष्ट्रीय एकता को विविधताओं के निषेध के रूप में नहीं, बल्कि विविधताओं के बीच साझा राष्ट्रीय चेतना के विकास के रूप में देखते थे। भारत की भाषाएं, संस्कृतियां, परंपराएं और आस्थाएं अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन राष्ट्र के प्रति निष्ठा और संविधान के प्रति सम्मान सबको एक सूत्र में बांधते हैं। आज जब समाज में वैचारिक मतभेद, क्षेत्रीय आग्रह, जातीय विभाजन और राजनीतिक कटुता की प्रवृत्तियां दिखाई देती हैं, तब पटेल का यह संदेश और अधिक प्रासंगिक हो जाता है। आज जब भारत वर्ष 2047 तक विकसित, आत्मनिर्भर, समृद्ध और विश्वशक्ति के रूप में स्थापित होने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है, तब सरदार वल्लभभाई पटेल के विचार, दृष्टि और राष्ट्रनिर्माण की भावना पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठती है। उन्होंने जिस अखंड भारत की कल्पना की थी, उसकी मजबूती का आधार केवल भौगोलिक एकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकात्मता, सामाजिक समरसता, प्रशासनिक दृढ़ता और सामूहिक उत्तरदायित्व था। आज भारत के सामने आर्थिक प्रगति, तकनीकी आत्मनिर्भरता, सामाजिक समानता, आंतरिक सुरक्षा, सुशासन और वैश्विक नेतृत्व की जो चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ हैं, उनके समाधान में पटेल की राष्ट्रनिष्ठा, दृढ़ इच्छाशक्ति और व्यावहारिक नेतृत्व दृष्टि मार्गदर्शक बन सकती है। विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश की विविधता उसकी शक्ति बने, राष्ट्रीय हित सर्वोपरि रहे और प्रत्येक नागरिक राष्ट्रनिर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाए। इस दृष्टि से सरदार पटेल केवल इतिहास के महानायक नहीं, बल्कि 2047 के भारत की दिशा और दशा निर्धारित करने वाले प्रेरणास्रोत हैं। सरदार वल्लभभाई पटेल का व्यक्तित्व अदम्य साहस, लौह इच्छाशक्ति, अनुशासन, स्पष्टवादिता, संगठन क्षमता, प्रशासनिक दक्षता और अटूट राष्ट्रभक्ति का विलक्षण समन्वय था।

ललित गर्ग

अदालत का यह...

अशोक भाटिया

सुप्रीम कोर्ट का कड़ा रुखः क्या अब सुधरेंगे फ्रॉड पीड़ितों के हालात?

भारत में डिजिटल क्रांति ने जहाँ आम नागरिक के जीवन को सुगम बनाया है, वहीं इसने एक ऐसे अदृश्य और खौफनाक अपराध तंत्र को भी जन्म दे दिया है जिसने देश की पूरी बैंकिंग और सुरक्षा व्यवस्था के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। आज के दौर में साइबर फ्रॉड और विशेष रूप से 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी त्रासदियाँ किसी महामारी की तरह फैल चुकी हैं, जहाँ पलक झपकते ही किसी व्यक्ति की जीवनभर की गाढ़ी कमाई अपराधियों के खातों में चली जाती है। ऐसे माहौल में देश की सर्वोच्च अदालत, सुप्रीम कोर्ट का हालिया रुख न केवल डिजिटल और साइबर फ्रॉड के पीड़ितों के हक में एक ऐतिहासिक कदम है, बल्कि यह देश की बैंकिंग प्रणाली के लिए एक बेहद सख्त चेतावनी भी है। अदालत ने बहुत स्पष्ट शब्दों में कहा है कि यदि बैंकों की लापरवाही या उनकी उचित सावधानी (ड्यू डिलिजेंस) में कमी के कारण कोई नागरिक ठगी का शिकार होता है, तो संबंधित बैंक को उस नुकसान की पूरी भरपाई करनी होगी। मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली पीठ का यह निर्देश इस मायने में क्रांतिकारी है क्योंकि यह पहली बार उपभोक्ताओं के नुकसान की सीधी जवाबदेही उन वित्तीय संस्थानों पर डालता है, जो सुरक्षा का दावा तो करते हैं लेकिन अपनी कमियों को छिपाने में लगे रहते हैं। अदालत द्वारा रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया को आगामी संशोधित 'केवाईसी गाइडलाइंस' में पीड़ितों को मुआवजा देने का प्रावधान अनिवार्य रूप से शामिल करने का आदेश देना एक ऐसा नीतिगत बदलाव है, जिसकी प्रतीक्षा लंबे समय से की जा रही थी। इस आदेश के तहत आरबीआई को तीस नवंबर दो हजार छब्बीस तक नए नियम अधिसूचित करने हैं, जो इकतीस दिसंबर दो हजार छब्बीस से देश भर में प्रभावी हो जाएंगे। अदालत का यह समयबद्ध दृष्टिकोण दर्शाता है कि न्यायपालिका इस संकट की गंभीरता को कितनी गहराई से महसूस कर रही है। इस पूरे संकट का सबसे स्याह पहलू यह है कि अब तक साइबर अपराध के मामलों में पूरी व्यवस्था का दृष्टिकोण केवल पीड़ित को उपदेश देने या उसे जागरूक करने तक ही सीमित रहा है। सरकारें, पुलिस और बैंक अक्सर विज्ञापनों के माध्यम से यह कहकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं कि किसी को अपना ओटीपी या पासवर्ड न बताएं। परंतु, आज का साइबर अपराध केवल ओटीपी चोरी करने तक सीमित नहीं रह गया है। 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी नई और परिष्कृत तकनीकों में अपराधियों द्वारा कानून प्रवर्तन एजेंसियों का फर्जी रूप धरकर, पीड़ितों को मानसिक रूप से बंधक बना लिया जाता है और अत्यधिक मनोवैज्ञानिक दबाव में उनसे पैसे ऐंठे जाते हैं। ऐसे में साधारण नागरिक, चाहे वह कितना भी पढ़ा-लिखा क्यों न हो, भय और भ्रम के जाल में फंस जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस कड़वी सच्चाई को स्वीकार किया है कि इस साल देश में डिजिटल अरेस्ट और साइबर फ्रॉड के कारण जनता ने लगभग आठ सौ करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि गंवाई है। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं है, बल्कि यह उन हजारों परिवारों की मानसिक प्रताड़ना, आर्थिक तबाही और टूटे हुए सपनों की दास्तां है, जिन्होंने अपनी जमा-पूंजी को सुरक्षित मानकर बैंकों के हवाले किया था। जब कोई अपराधी किसी खाते से करोड़ों रुपये ट्रांसफर करने में सफल हो जाता है, तो यह केवल पीड़ित की सादगी नहीं, बल्कि उस बैंक के सुरक्षा चक्र की पूर्ण विफलता होती है। अदालत ने इसी बिंदु पर प्रहार करते हुए बैंकों को निर्देश दिया है कि यदि किसी खाताधारक के सामान्य व्यवहार या पुराने पैटर्न से अलग कोई 'असामान्य ट्रांजैक्शन' या संदिग्ध लेनदेन होता है, तो बैंक को उस पर तुरंत अस्थाई रोक लगानी होगी। यह एक ऐसा सुरक्षात्मक कदम है जो अगर पहले से मुस्तैदी से लागू होता, तो आज आठ सौ करोड़ रुपये का यह राष्ट्रीय नुकसान रोका जा सकता था। इस पूरे संगठित अपराध की रीढ़ की हड्डी 'म्यूल अकाउंट्स' यानी वे फर्जी बैंक खाते हैं, जिनका उपयोग साइबर ठग अपनी पहचान छिपाने और पैसे को अलग-अलग खातों में घुमाने के लिए करते हैं। यह एक सर्वविदित तथ्य है कि बिना बैंकों के भीतर बैठे कुछ भ्रष्ट तत्वों की मिलीभगत या फिर बैंकों के ढीले रवैये के, हजारों की संख्या में फर्जी दस्तावेजों पर खाते खोलना और उनमें करोड़ों का लेन-देन होना संभव नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने इन फर्जी खातों के जाल पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए साफ किया है कि बैंकों को अपने ग्राहक को जानो की प्रक्रिया को केवल एक कागजी औपचारिकता नहीं, बल्कि एक अभेद्य सुरक्षा कवच बनाना होगा।

कौशल विकास...

डॉ0 सीमा गुप्ता

आजीविका मिशन और आरसेटी के प्रशिक्षण से आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर हो रही हैं बलरामपुर की ग्रामीण महिलाएं

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने तथा स्थानीय स्तर पर आजीविका के स्थायी अवसर उपलब्ध कराने के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम अब धरातल पर परिलक्षित होने लगे हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और भारतीय ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) के संयुक्त तत्वावधान में संचालित कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। इसी क्रम में जनपद बलरामपुर के विकासखंड रेहराबाजार अन्तर्गत ग्राम सरायखास की 29 महिलाओं ने खाद्य प्रसंस्करण एवं फास्ट फूड निर्माण का विशिष्ट प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वरोजगार की दिशा में ठोस पहल की है। यह पहल न केवल महिलाओं को सूक्ष्म उद्यमिता से जोड़ रही है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में भी प्रभावी भूमिका निभा रही है।

तराई क्षेत्र में स्थित जनपद बलरामपुर में पारम्परिक कृषि पर अत्यधिक निर्भरता और स्थानीय स्तर पर रोजगार के सीमित विकल्पों को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा गैर-कृषि आधारित सूक्ष्म उद्यमों को निरन्तर प्रोत्साहित किया जा रहा है। वर्तमान समय में ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के हाट-बाजारों, कस्बों और प्रमुख मार्गों पर तैयार खाद्य पदार्थों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। इस मांग को स्वरोजगार के सुअवसर में परिवर्तित करने के उद्देश्य से सरायखास गांव की स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को लक्षित कर इस व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई, जिससे वे न्यूनतम पूंजी निवेश के साथ अपने निवास क्षेत्र में ही सम्मानजनक आय अर्जित कर सकें। भारतीय ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिलाओं को आधुनिक एवं पारम्परिक दोनों प्रकार के लगभग 30 व्यंजनों के मानकीकृत निर्माण का गहन व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में चाउमीन, मोमोज, अप्पे, ब्रेड रोल, आलू टिक्की, पानी बताशा तथा दही बड़ा जैसे व्यापक मांग वाले खाद्य पदार्थ शामिल रहे। प्रशिक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों के पोषण मूल्य, स्वाद और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। इसके अतिरिक्त, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (थ्ैप्) द्वारा निर्धारित स्वच्छता मानकों, स्वच्छ जल के उपयोग और खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण के वैज्ञानिक तौर-तरीकों का भी विधिवत प्रशिक्षण दिया गया।

कौशल विकास के साथ-साथ महिलाओं को सफल उद्यमी बनाने के लिए सूक्ष्म व्यवसाय प्रबंधन के व्यावहारिक तौर-तरीके भी सिखाए गए। जिला प्रशासन और प्रशिक्षण संस्थान के समन्वय से आयोजित सत्रों में प्रतिभागियों को कच्चे माल की थोक खरीद, लागत निर्धारण, मूल्य सम्वर्धन, दैनिक बिक्री का लेखा-जोखा और शुद्ध लाभ के सटीक आकलन की प्रक्रिया समझाई गई। महिलाओं को ग्राहकों के साथ संवाद शैली, स्टॉल के आकर्षक प्रस्तुतीकरण तथा आधुनिक पैकेजिंग तकनीकों से भी अवगत कराया गया।

आत्म शुद्धि से मोक्ष मार्ग

मानव जीवन में दुर्बलता भी हैं इस और हमको ध्यान देना चाहिए । हम जब स्वयं ही अपने कर्मों के माध्यम से अपने भाग्य के एक मात्र निर्माता हो तो फिर इश्वर को कर्ता व दोषी बताकर व्यर्थ बीच में क्यों लाते हैं । इसलिए स्वयं को व स्वयं के कृत कर्मों को ही जिम्मेदार माने, हम ईश्वर को दोषी न ठहरा कर खुद को ही हर अच्छे व बुरे के लिए दंडित व पुरस्कृत करने की सच्चाई को पहचानें । कर्म और जीव के बीच का संघर्ष, अनन्तकाल से अनवरत जारी है। चौरासी लाख जीवयोगियों के चक्र में संज्ञी मनुष्य का जन्म प्राप्त करना एक अत्यंत कठिन काम हैं । यह इससे भी दुर्लभ हैं मनुष्य देह पाकर सद्धर्म का श्रवण करना हैं । हम पाप आचरण से बचें और अपने जीवन में विवेक को जागृत करें । हम देखतें हैं कि जिन लोगों ने मनुष्य जन्म को पाकर भी धर्म - अधर्म या हिंसा- अहिंसा को विवेक नहीं होता , वे इस अनमोल जीवन के अवसर को पाकर भी पाप कर्मों में लिप्त हो जातें हैं । वह ऐसे व्यक्ति दुर्गति (नरक) के पात्र बन जाते हैं । हमारे द्वारा आचार्य श्री महाश्रमण जी आदि के द्वारा कल्याणकारी वाणी सुनने से ही भीतर के भावों में शुद्धता आती हैं और व्यक्ति तप के मार्ग पर अग्रसर होता हैं । अहंकार भावों में मैं ही मैं की टंकार तीव्र ममकार है । मैं के अहं के सिवाय कुछ स्वीकार नहीं हैं । यही सबसे बड़ा अवरोध है । आत्मबोध प्राप्त करने में यह वैसा ही है जैसे सूरज को बादल ढक लेते हैं । वैसे ही अहंकारी के ज्ञानचक्षु के आगे अहंकार की अभेद्य सी चादर छा जाती है । ज्ञान तो तब प्रकट हो सकता है जब मैं मिटता है । वह विनम्रता और समर्पण भाव जगता है। यही उसकी कुंजी है। यही साधक की सार्थक पूंजी है। अहं जीवन-विकास में बहुत बड़ी बाधा है। अहं के पतन से ही आत्मज्ञान के सूर्योदय की आशा है। अपने जीवन को जो संयमित और नियंत्रित करता है, उसका यह जीवन सदा ऊर्जाओं के स्रोतों से संवरता है। इसलिए जरूरी है कि तुम व्यर्थ में बाहर की ओर भकटना छोड़ो और इस मन को अपने भीतर की ओर मोड़ों । तेरापंथ की एक परिभाषा यह भी है कि जहां अहंकार और ममकार न हो। संभवत यह परिभाषा आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी ने दी थी।

› प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

ग्रामीण डिजिटल...

अभिषेक सक्सेना

डिजिटल ग्राम, सशक्त उत्तर प्रदेश बनाने की दिशा में ग्रामीण कनेक्टिविटी का हुआ विस्तार

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज डिजिटल तकनीक विकास की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, बैंकिंग, व्यापार और सरकारी सेवाओं के क्षेत्र में इंटरनेट की उपयोगिता निरंतर बढ़ रही है। ऐसे में विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने के लिए यह आवश्यक है कि ग्रामीण क्षेत्रों को भी आधुनिक डिजिटल सुविधाओं से प्रभावी ढंग से जोड़ा जाए। उत्तर प्रदेश सरकार इसी उद्देश्य के अनुरूप ग्रामीण डिजिटल कनेक्टिविटी का विस्तार करने, दूरसंचार अवसंरचना को मजबूत बनाने तथा इंटरनेट आधारित सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए विभिन्न स्तरों पर कार्य कर रही हैं।

ग्राम पंचायतों तक इंटरनेट की पहुंच का विस्तार

उत्तर प्रदेश के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा राज्य पूंजी निवेश वर्ष 2022-23 के अंतर्गत राज्यों को विशेष सहायता योजना के माध्यम से प्रदेश की 16,718 ग्राम पंचायतों में इंटरनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने की पहल की गई है। इस कार्य में भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की भूमिका महत्वपूर्ण है। योजना के अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत में पांच एफटी-टीएच (फाइबर टू द होम) कनेक्शन तथा एक वाई-फाई कनेक्शन स्थापित किए जाने का प्रावधान है। इस पहल के अंतर्गत अब तक 8,600 ग्राम पंचायतों में कुल 29,320 एफटीटीएच कनेक्शन स्थापित किए जा चुके हैं। यह कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट आधारित सुविधाओं के विस्तार के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। फाइबर आधारित कनेक्टिविटी के माध्यम से विद्यालयों, स्वास्थ्य केंद्रों, पंचायत कार्यालयों, स्थानीय उद्यमों तथा अन्य संस्थानों को इंटरनेट सेवाओं से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल कनेक्टिविटी नागरिकों को सूचनाओं और सेवाओं तक पहुंच बनाने का अतिरिक्त माध्यम प्रदान करती है। ऑनलाइन आवेदन, प्रमाणपत्रों से संबंधित सेवाएं, डिजिटल भुगतान, शैक्षिक सामग्री और विभिन्न सरकारी पोर्टलों का उपयोग अधिक सुगम बनाने में इंटरनेट की महत्वपूर्ण भूमिका हो रही है।

फाइबर टू द होम ऐसी तकनीक है, जिसमें ऑप्टिकल फाइबर के माध्यम से इंटरनेट कनेक्टिविटी सीधे घर या निर्धारित परिसर तक पहुंचाई जाती है। पारंपरिक नेटवर्क की तुलना में फाइबर आधारित तकनीक उच्च गति और अधिक डेटा क्षमता वाली सेवाएं उपलब्ध कराने में सक्षम है। वहीं, वाई-फाई के माध्यम से उपलब्ध इंटरनेट कनेक्शन को एक निश्चित क्षेत्र में विभिन्न डिजिटल उपकरणों पर उपयोग किया जा सकता है। इन दोनों सुविधाओं का विस्तार ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट के उपयोग को अधिक व्यावहारिक बनाने की दिशा में सहायक हो रहा है। इससे विद्यार्थी ऑनलाइन अध्ययन सामग्री का उपयोग कर सकते हैं, शिक्षक डिजिटल शैक्षिक संसाधनों तक पहुंच बना सकते हैं तथा छोटे कारोबारी अपने उत्पादों और सेवाओं की जानकारी व्यापक उपभोक्ता वर्ग तक पहुंचा सकते हैं। इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ-साथ मोबाइल नेटवर्क की उपलब्धता भी डिजिटल समावेशन का महत्वपूर्ण पक्ष है। ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल सेवाओं की बेहतर पहुंच होने से नागरिकों को संचार, ऑनलाइन जानकारी और मोबाइल आधारित सेवाओं का उपयोग करने में सुविधा मिली है। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क का विस्तार महत्वपूर्ण है, जहां फाइबर आधारित कनेक्टिविटी का उपयोग सीमित है या जहां नागरिक मुख्य रूप से स्मार्टफोन के माध्यम से इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश में चौथी पीढ़ी (4ळ) की मोबाइल सेवाओं के विस्तार के लिए बीएसएनएल को 434 ग्राम पंचायतों में प्रति ग्राम पंचायत 200 वर्गमीटर भूमि निःशुल्क आवंटित की गई है। इस व्यवस्था का उद्देश्य मोबाइल नेटवर्क के विस्तार के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता को सुगम बनाया है। मोबाइल नेटवर्क के विस्तार से ग्रामीण नागरिकों को ऑनलाइन संचार, डिजिटल भुगतान, सरकारी सूचनाओं तथा इंटरनेट आधारित सेवाओं का उपयोग करने के अधिक अवसर मिले हैं। इससे दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए डिजिटल माध्यमों से जुड़ना अपेक्षाकृत आसान हो रहा है।

ग्रामीण डिजिटल कनेक्टिविटी का प्रभाव केवल इंटरनेट उपयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विभिन्न सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा देने की क्षमता रखती है। शिक्षा के क्षेत्र में इंटरनेट विद्यार्थियों को ऑनलाइन पाठ्य सामग्री, डिजिटल पुस्तकालयों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी तथा अन्य शैक्षिक संसाधनों तक पहुंच प्रदान कर रहा है। ग्रामीण विद्यार्थियों को अपने गांव में रहते हुए व्यापक शैक्षिक सामग्री का उपयोग करने का अवसर मिला है। विद्यालयों में डिजिटल संसाधनों के प्रभावी उपयोग से शिक्षण प्रक्रिया को अधिक विविध और उपयोगी बनाया जा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में डिजिटल कनेक्टिविटी के माध्यम से टेलीमेडिसिन, ऑनलाइन परामर्श, स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और डिजिटल अभिलेखों जैसी सुविधाओं का उपयोग संभव होता है। विशेष रूप से दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों के लिए यह सुविधा प्रारंभिक चिकित्सकीय परामर्श तक पहुंच बनाने में सहायक हो रही है। कृषि के क्षेत्र में इंटरनेट किसानों को मौसम संबंधी जानकारी, कृषि तकनीकों, बाजार भाव, फसल प्रबंधन तथा सरकारी योजनाओं से संबंधित सूचनाएं प्राप्त करने में मदद कर रहा है। डिजिटल माध्यमों के उपयोग से किसान विभिन्न बाजारों और उपलब्ध सेवाओं की जानकारी प्राप्त कर अपने निर्णयों को बेहतर ढंग से तैयार कर सकते हैं। ग्रामीण युवाओं और उद्यमियों के लिए इंटरनेट डिजिटल कौशल सीखने, ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त करने, रोजगार के अवसर तलाशने तथा छोटे व्यवसायों को डिजिटल माध्यमों से आगे बढ़ाने का साधन बन सकता है। ग्रामीण डिजिटल कनेक्टिविटी के विस्तार में नेटवर्क की उपलब्धता के साथ उसकी गुणवत्ता, नियमित रखरखाव और वास्तविक उपयोग भी महत्वपूर्ण हैं। दूरसंचार अवसंरचना का प्रभावी लाभ सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि स्थापित कनेक्शनों का उपयोग बढ़े, नेटवर्क संबंधी समस्याओं का समयबद्ध समाधान हो तथा ग्रामीण नागरिकों को उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी मिले। इसके लिए प्रदेश सरकार गांव-गांव नेटवर्क पहुंचा रही है।

घर में गड़े 5 करोड़ का राज तलाशने पहुंचीं टीमें

प्रयागराज में 4 और बक्से मिले, रडार से खंगाली जा रही जमीन

जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में घर के अंदर जमीन में गाड़कर रखे गए 5 करोड़ रुपए का राज गहराता जा रहा है। जमीन के अंदर और कितनी नकदी छिपी है, इसका पता लगाने के लिए ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार लगाया गया है। पुलिस के साथ आयकर विभाग (IT) और बैंक अधिकारियों की टीमें जांच कर रही हैं।

जांच के दौरान शुक्रवार को घर के अंदर चार बंद बक्से मिले हैं। इन पर ताले लगे हैं। पुलिस ने घर के अंदर खुदाई भी शुरू करा दी है। वहीं, मामले की जांच के लिए पुलिस की एक टीम पुणे भी रवाना की गई है। टीमें पता लगा रही हैं कि इतनी बड़ी रकम कहां से आई और प्रयागराज कैसे पहुंची। मौके पर करीब 32 पुलिसकर्मी, IT के छह अफसर, बैंक के दो अधिकारी और दो कर्मचारी हैं।

एक डॉग स्क्वायड टीम भी है। खुदाई के लिए 12 मजदूरों को बुलाया गया था। बुधवार रात जिला मुख्यालय से करीब 32 किलोमीटर दूर बरईपुर गांव में राकेश यादव के घर नकदी बरामद हुई थी।

तीन नीले ड्रमों में 500-500 रुपए की गड्डियों को कपड़े में लपेटकर जमीन के अंदर दबाया गया था। बरामद रकम करीब 5 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। करीब साढ़े चार घंटे तक तलाशी अभियान चलाने के बाद पुलिस रात साढ़े 10 बजे वहां से लौटी। पुलिस ने राकेश के भाई बबलू को भी हिरासत में लिया है। पूरे परिवार को पुलिस टीमें अपने साथ ले गईं। मकान के चारों ओर 40 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात हैं। राकेश के घर के साथ उसके बगीचे और खाली जमीन को भी पुलिस ने घेराबंदी कर सुरक्षित कर दिया है। जांच एजेंसियों को आशंका है कि तीन ड्रमों के अलावा परिवार ने घर, बाग, खाली जमीन या किसी अन्य मकान में भी नोटों की गड्डियां छिपाकर रखी हो सकती हैं।

पुणे से बार-बार लाते रहे नोटों की गड्डियां

अब तक की जांच में सामने आया है कि नवाबगंज निवासी राजेश और राकेश करोड़ों रुपए की नकदी पुणे से प्रयागराज लाकर ड्रमों में भरते थे और फिर उसे जमीन में गाड़ देते थे। दोनों भाइयों से पूछताछ के बाद एक टीम को पुणे भी भेजा गया है। दोनों भाई कई साल तक पुणे के एक सर्राफा कारोबारी के यहां काम करते रहे थे। कोविड के दौरान वे प्रयागराज लौट आए। आशंका है कि इसी दौरान करोड़ों रुपए की नकदी यहां लाई गई। जांच एजेंसियों को आशंका है कि तीन ड्रमों के अलावा परिवार ने घर, बाग, खाली जमीन या किसी अन्य मकान में भी नोटों की गड्डियां छिपाकर रखी हो सकती हैं।

पुलिस ने गांव की बिजली कटवाकर मारी रेड

नवाबगंज इलाके के बरईपुर गांव में राकेश यादव उर्फ महाकाल का पुश्तैनी मकान है। पुलिस को इनपुट मिला था कि राकेश ने चोरी के रुपए घर में जमीन के नीचे छिपाकर रखे हैं। यह जानकारी पुलिस कमिश्नर पीयूष मोर्डिया तक पहुंची। इसके बाद बुधवार शाम 6 बजे डीसीपी (गंगानगर) सोनम कुमार और एडीसीपी पुष्कर वर्मा समेत पुलिस टीम मौके पर पहुंची। कार्रवाई से पहले पूरे गांव की बिजली कटवा दी गई। इसके बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया।

पुलिस के मुताबिक, घर की तलाशी के दौरान जमीन में दबे तीन नीले ड्रम मिले। इनमें कपड़े में लपेटकर नोटों की गड्डियां रखी गई थीं। पुलिस ने नकदी कब्जे में लेकर मकान सील कर दिया और उसकी घेराबंदी कर दी। कार्रवाई से पहले पूरे गांव की बिजली कटवा दी गई। इसके बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया।

वेंकटेश्वरा की छात्रा साक्षी ने वेटलिफ्टिंग में जीता स्वर्ण पदक

सीसीएसयू की अंतरमहाविद्यालयीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय (सीसीएसयू), मेरठ की ओर से आयोजित अंतरमहाविद्यालयीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता-2026 में वेंकटेश्वरा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की छात्रा साक्षी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि से संस्थान में खुशी का माहौल है। साक्षी ने प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया और संस्थान का नाम रोशन किया। साक्षी वेंकटेश्वरा ग्रुप के इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी में बीपीएड प्रथम वर्ष की छात्रा हैं। वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने के बाद संस्थान के पदाधिकारियों और शिक्षकों ने उनकी उपलब्धि पर खुशी जताई। उन्होंने इसे छात्रा की मेहनत, लगन और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम बताया।

संस्थान के पदाधिकारियों ने दी बधाई साक्षी की इस उपलब्धि पर ग्रुप डायरेक्टर डॉ. पंकज कुमार, डायरेक्टर (एकेडमिक्स) डॉ. राहुल शर्मा, बीपीएड विभागाध्यक्ष अभिनव राणा और मीडिया प्रभारी विश्वास राणा ने उन्हें बधाई दी। पदाधिकारियों ने कहा कि खेल प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों की उपलब्धियां संस्थान के लिए गौरव की बात हैं।

उन्होंने साक्षी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि वह आगे भी इसी तरह बेहतर प्रदर्शन जारी रखेंगी।

फास्ट न्यूज

पीहू की जिंदगी से सौरभ को दूर रखती थी मुस्कान

मेरठ। मेरठ के नीलाड्रम कांड वाली मुस्कान नहीं चाहती थी कि उसकी बेटी पीहू सौरभ से प्यार करे। मुस्कान का इरादा पीहू की जिंदगी में साहिल की जगह बनाना था। वो चाहती थी कि पीहू सौरभ को भूलकर केवल साहिल को याद रखे। इसलिए मुस्कान ने पीहू की जिंदगी में सौरभ को गायब करना शुरू कर दिया था। मुस्कान-सौरभ के किराए वाले मकान में पीहू की जो किताबें, तस्वीरें मिली हैं।

सिंचाई कर्मचारियों ने मांगों को लेकर प्रदर्शन किया

सीतापुर। सीतापुर में सिंचाई विभाग के कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर शुक्रवार दोपहर करीब 4 बजे जिला स्तर पर धरना-प्रदर्शन कर मजिस्ट्रेट को अपना मांग पत्र सौंपा है। सिंचाई संघ के बैनर तले सींचपाल, सींच पर्यवेक्षक और नलकूप चालक संघ से जुड़े कर्मचारियों ने अपनी समस्याओं को उठाते हुए सेवा नियमावली में संशोधन, वेतनमान बढ़ाने और कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की मांग की। कर्मचारियों ने अपनी मांगों को शासन तक पहुंचाने की बात कही।

नोएडा सड़क हादसे में व्यक्ति की मौत

नोएडा। नोएडा एक्सप्रेसवे पर 132 कट के पास शुक्रवार को एक कार अनियंत्रित होकर आगे चल रहे वाहन से टकरा गई। हादसे में कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने पीआरवी की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

मृतक की पहचान गाजियाबाद निवासी 40 साल के हेमंत शर्मा के रूप में हुई है।

नोएडा में बालकनी में फूल तोड़ रहे थे, बेटा फिसला तो बचाने में पिता भी गिरे

अफसर और बेटे की 23वीं मंजिल से गिरकर हुई मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में 23वीं मंजिल से गिरकर बाप-बेटे की दर्दनाक मौत हो गई। पिता बालकनी में बेटे से फूल तुड़वा रहे थे। बारिश की वजह से फर्श गीली थी। अचानक बेटे का बैलेंस बिगड़ा और वह रेलिंग से नीचे लटक गया।

बेटे को बचाने के लिए पिता दौड़े। हाथ पकड़कर खींचने के दौरान उनका पैर फिसल गया। दोनों नीचे गिर गए। मौके पर ही रणदीप पात्रा (40) और उनके 11 साल के बेटे आरव की मौत हो गई। आरव छठीं क्लास में पढ़ता था। रणदीप केंद्रीय सचिवालय दिल्ली में सेक्शन ऑफिसर थे। महागुन मायवुड्स सोसायटी में पत्नी और बेटे के साथ रहते थे। घटना शुक्रवार तड़के 4.20 बजे बिसरख थाना क्षेत्र की है।

66 पुलिस उपायुक्त सेंट्रल नोएडा प्रवीन रंजन सिंह ने बताया- कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि मायवुड्स सोसाइटी में दो लोग ऊंचाई से गिर गए हैं। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

परिवार खाटू श्याम जाने की तैयारी कर रहा था

मूलरूप से परिवार पश्चिम बंगाल का रहने वाला था। पत्नी अमृता श्रीमणि केंद्रीय सचिवालय दिल्ली में सेक्शन ऑफिसर हैं। पत्नी अमृता ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि शुक्रवार को हम सब लोग खाटू श्याम जाने वाले थे। वहां एक जमीन की रजिस्ट्री करानी थी। उससे पहले हमने मंदिर जाकर दर्शन करने का प्लान बनाया था। बालकनी में पौधे लगा रखे हैं। कई पेड़ ग्रिल के सहारे ऊपर छत तक फैले हैं। उनके फूल तोड़ने के लिए हम छोटी सीढ़ी का इस्तेमाल करते हैं। खाटू श्याम मंदिर में पूजा के लिए पति रणदीप और बेटा आरव बालकनी में फूल तोड़ने लगे। बेटा सीढ़ी पर चढ़कर ऊपर लगे फूल तोड़ रहा था। तभी उसका पैर फिसल गया और वह बालकनी से बाहर की तरफ गिर गया। किसी तरह बालकनी की रेलिंग पकड़ ली।

गोसाईगंज में चार शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, चोरी की ईको वैन बरामद

120 से 150 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर पुलिस ने किया खुलासा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। गोसाईगंज थाना पुलिस ने वाहन चोरी की घटना का खुलासा करते हुए चार शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई ईको वैन और वारदात में इस्तेमाल डाला वाहन बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों में अर्जुन अरोड़ा, सुनील गौतम, सतीश और हरिओम शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी रहा है। पुलिस के अनुसार, गोसाईगंज के मोहारीकला निवासी सुरेंद्र कुमार विश्वकर्मा ने 20 अक्टूबर को शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके घर के बाहर टीनशेड के नीचे खड़ी ईको वैन चोरी हो गई है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू की। घटना के खुलासे के लिए तीन पुलिस टीमें

गठित की गईं। टीमों ने घटनास्थल और आसपास के इलाकों में लगे करीब 120 से 150 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके साथ ही तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी की गई ईको वैन और घटना में प्रयुक्त डाला बरामद कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे चारों वाहन चोरी करने के इरादे से निकले थे। 19 अक्टूबर की रात कई स्थानों पर वाहन चोरी का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हुए। अगले दिन रात उन्हें एक मकान के सामने टीनशेड के नीचे ईको वैन खड़ी दिखाई दी, जिसे उन्होंने चोरी कर लिया। उनकी योजना वैन को किसी दूरदराज की डेंटिंग-पेंटिंग की दुकान पर ले जाकर उसका रंग-रूप बदलने की थी, ताकि उसकी पहचान न हो सके।

हालांकि, इससे पहले ही पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी अर्जुन अरोड़ा के खिलाफ नौ, सुनील गौतम के खिलाफ आठ और सतीश के खिलाफ एक आपराधिक मुकदमा पहले से दर्ज है। अर्जुन के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट और आर्म्स एक्ट के मामले भी दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ दर्ज मुकदमे में धारा 3(5) और 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी करते हुए आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी कर उन्हें न्यायालय में पेश किया।

गांवों में जल गुणवत्ता जांच में देश में दूसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश

योगी सरकार के प्रयासों से रफ्तार तेज

- फील्ड टेस्टिंग किट के जरिए की जा रही पानी की निगरानी, 97 हजार से अधिक गांवों में जल जांच का लक्ष्य
- योगी सरकार में ग्रामीण जल गुणवत्ता जांच अभियान को रफ्तार, 4.85 लाख महिलाओं को भी मिला रोजगार
- यूपी जल निगम ग्रामीण के लिए प्रदेश के गावों में 11.64 लाख जल गुणवत्ता जांच का है वार्षिक टारगेट

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और लोगों को सुरक्षित पानी उपलब्ध कराने की दिशा में योगी सरकार के प्रयासों को महत्वपूर्ण उपलब्धि मिली है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में गांवों में फील्ड टेस्टिंग किट (एफटीके) के माध्यम से जल गुणवत्ता की जांच के मामले में उत्तर प्रदेश देश में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। 27 अक्टूबर 2026 तक के आंकड़ों के मुताबिक कर्नाटक 69.32 प्रतिशत उपलब्धि के साथ पहले स्थान पर है, जबकि उत्तर प्रदेश ने 33.95 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है। तमिलनाडु 28.42 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है। इसके साथ ही यूपी में एफटीके जांच के जरिए 4.85 लाख महिलाओं को रोजगार भी मिला है, जिससे वह आत्मनिर्भर बन रही हैं। विभाग के मुताबिक उत्तर प्रदेश में कुल 97,071 गांव हैं। इनमें जल गुणवत्ता जांच के लिए सालाना 11,64,852 जांच का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

यूपी के 2.24 करोड़ किसानों को मिले ₹4,482 करोड़, देशभर के 9.34 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में पहुंचे

पीएम मोदी ने जारी की किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त

★ लखनऊ में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किसानों के साथ सुना प्रधानमंत्री का संबोधन, ट्रैक्टर पर 80% अनुदान और उन्नत बीजों की मिनीकिट भी बांटी गई

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात के बनासकांठा से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त जारी की। इसके तहत देशभर के 9.34 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खातों में 18,690 करोड़ रुपये से ज्यादा की धनराशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से भेजी गई। उत्तर प्रदेश के 2.24 करोड़ से अधिक किसान भी इस किस्त से लाभान्वित हुए। प्रदेश के किसानों के खातों में कुल 4,482.19 करोड़ रुपये की सम्मान राशि सीधे अंतरित की गई। दीपावली से पहले किसानों को मिली इस आर्थिक सहायता पर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह राशि किसानों के लिए त्योहार से पहले महत्वपूर्ण आर्थिक सहयोग है। प्रदेश के किसानों की ओर से उन्होंने प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने, उनकी आमदनी बढ़ाने और खेती की लागत कम करने के संकल्प के साथ सरकार लगातार काम कर रही है। किसानों को आर्थिक सहायता देने के साथ कृषि यंत्रों और उन्नत बीजों की उपलब्धता बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए किसानों को आधुनिक तकनीक और बेहतर संसाधनों से जोड़ना जरूरी है। इसी दिशा में कृषि यंत्रीकरण और विभिन्न कृषि योजनाओं के माध्यम से किसानों को सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पात्र किसान परिवारों को हर साल 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। यह धनराशि 2,000 रुपये की तीन समान किस्तों में सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजी जाती है।

लखनऊ में आयोजित हुआ राज्य स्तरीय कार्यक्रम

किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त जारी होने के अवसर पर राजधानी लखनऊ के तेलीबाग स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किसानों के साथ वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री का संबोधन सुना। कार्यक्रम के दौरान किसानों को कृषि यंत्रीकरण और खेती की उत्पादकता बढ़ाने से जुड़ी योजनाओं का लाभ भी दिया गया। कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सीआरएम योजना के तहत कस्टम हायरिंग सेंटर की स्थापना के लिए पात्र लाभार्थी किसानों को 80 प्रतिशत अनुदान पर अनुमन्य ट्रैक्टरों की प्रतीकात्मक चाबियां सौंपी गईं। इसके अलावा दलहन और तिलहन की पैदावार बढ़ाने के लिए किसानों को उन्नतशील बीजों की मिनीकिट वितरित की गईं। कार्यक्रम में प्रदेश और देश के किसानों को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं भी दी गईं।

आयोजन : डिस्लेक्सिया से प्रभावित बच्चों में होती है अच्छी बौद्धिक क्षमता, मुख्यधारा से जोड़ने को आगे आएं सभी वर्ग

डिस्लेक्सिया जागरूकता के लिए राज्य स्तरीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा डिस्लेक्सिया जागरूकता अभियान के अंतर्गत राजधानी लखनऊ में राज्य स्तरीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के विद्यालयों में डिस्लेक्सिया (विशिष्ट अधिगम अक्षमता - Specific Learning Disability) से प्रभावित बच्चों की प्रारंभिक स्तर पर पहचान, उनकी विशिष्ट शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति, सुगम दिव्यांगता प्रमाणन प्रक्रिया तथा समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) के प्रति शिक्षकों एवं संबंधित हितधारकों को दक्ष व संवेदनशील बनाना है।

कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन करते हुए उत्तर प्रदेश के राज्य आयुक्त (दिव्यांगजन) प्रो. हिमांशु शेखर झा ने कहा कि डिस्लेक्सिया से प्रभावित बच्चों की बौद्धिक क्षमता (IQ) सामान्यतः बहुत अच्छी होती है। उन्होंने कहा कि डिस्लेक्सिया एक 'अदृश्य दिव्यांगता' (Invisible Disability) है, जिसके कारण समाज में इसकी पहचान और इसके प्रति जागरूकता अभी भी सीमित है। आवश्यकता इस बात की है कि इन बच्चों की सीखने की विशिष्ट शैली व जरूरतों को संवेदनशीलता से समझा जाए। समाज के सभी वर्गों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को मिलकर प्रयास करना होगा ताकि इन बच्चों को शिक्षा और समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके। उन्होंने रेखांकित किया कि योगी सरकार दिव्यांग बच्चों के सर्वांगीण विकास और उन्हें समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के उपनिदेशक डॉ. अमित राय ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार डिस्लेक्सिया से प्रभावित बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुगम दिव्यांगता प्रमाणपत्र जारी करने, व्यापक जन-जागरूकता और आवश्यक मानव

संसाधन विकास के लिए पूरी गंभीरता के साथ कार्य कर रही है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा विभाग तथा इस क्षेत्र में कार्यरत प्रतिष्ठित विशेषज्ञ संस्थाओं के साथ अंतर-विभागीय समन्वय स्थापित कर प्रभावी कदम उठा रहा है। प्रशिक्षण सत्र में डिस्लेक्सिया विशेषज्ञ के रूप में प्रशिक्षण प्रदान करते हुए चेंजइंक फाउंडेशन के कंसल्टेंट अमरेश चंद्र ने महत्वपूर्ण तथ्य साझा किए। उन्होंने बताया कि यू-डायस (UDISE) आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश में कक्षा 1 से 8 तक के लगभग 71,000 बच्चे विशिष्ट अधिगम अक्षमता (SLD) से प्रभावित के रूप में चिन्हित किए गए हैं।

छात्रावास निर्माण में बाधा बना टीनशेड हटाने के लिए पत्र

प्रधानाचार्य ने कार्यदायी संस्था को भेजा शिकायती पत्र

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जवाहर नवोदय विद्यालय में छात्राओं के लिए बनने वाले 24 सीटर नए छात्रावास के निर्माण में परिसर में लगा टीनशेड बाधा बन रहा है। इसे हटवाने के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य वीके यादव ने कार्यदायी संस्था को पत्र भेजा है। प्रधानाचार्य ने पत्र के माध्यम से निर्माण कार्य में आ रही बाधा को दूर करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा है। जानकारी के अनुसार, छात्राओं की सुविधा के लिए विद्यालय परिसर में 24 छात्राओं की क्षमता वाला नया छात्रावास बनाया जाना है। इसके निर्माण के लिए कार्यदायी संस्था एनपीसीसी ने मैसर्स सूरत कंस्ट्रक्शन, लखनऊ से करार किया है। निर्माण कार्य शुरू कराने के लिए निर्धारित स्थान को खाली कराना आवश्यक है, लेकिन वहां वाहनों को खड़ा करने के लिए बना टीनशेड बाधा उत्पन्न कर रहा है।

प्रधानाचार्य वीके यादव के अनुसार, टीनशेड को हटाने के लिए संबंधित पक्ष को पहले मौखिक रूप से भी कहा गया था, लेकिन अब तक इसे नहीं हटाया गया। इसके चलते छात्रावास निर्माण के लिए निर्धारित स्थान पर काम शुरू करने में परेशानी हो रही है।

छात्राओं की आवासीय सुविधा से जुड़ी इस परियोजना के निर्माण में बाधा दूर करने के लिए प्राचार्य ने अब पत्र भेजकर टीनशेड हटवाने की पहल की है।

विद्यालय में छात्राओं के लिए नए छात्रावास का निर्माण पूरा होने से उन्हें आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। ऐसे में निर्माण स्थल पर मौजूद बाधा को दूर करना जरूरी है, ताकि निर्माण कार्य आगे बढ़ सके। बताया जाता है कि स्कूल का एके शर्मा नामक टीचर ने टीन शेड लगाकर कब्जा जमा लिया है। प्रधानाचार्य ने कई बार कब्जा हटाने को कहा, लेकिन टीचर अमादा फौजदारी पर उतरकर गाली गलौज और धमकी देता है। प्रधानाचार्य बीके यादव ने डीएम समेत अन्य उच्चाधिकारों से मनबढ टीचर एके शर्मा के खिलाफ विभागीय और अनुशासन हीनता के तहत कार्रवाई की गुहार लगाई है।

यूपी एटीएस की गिरफ्त में आया तो रोने लगा, कानपुर में मां बोली- कहता था गेम खेल रहा हूं

रिक्शा-चालक के बेटे ने 4 लाख फेक ई-मेल आईडी बेची

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। मेरे लीवर में छेद हो गया था, मेरा बच्चा इलाज कराता था अब कैसे होगा इलाज ? पिता ने रिक्शा चलाकर उसे पढ़ाया कि बुढ़ापे का सहारा बनेगा, लेकिन पुलिस उसे उठाकर ले गई। मेरा बेटा डिजिटल मार्केटिंग का काम करता था, वह आतंकी गतिविधियों में शामिल नहीं हो सकता। यह कहना था कानपुर में ATS की गिरफ्त में आए 12वीं पास अंकित संखवार की मां सावित्री का। मां ने कहा- बेटे से पूछने पर कहता था कि गेम खेल रहा हूं। वह रात में लैपटाप पर काम

अंकित, आरोपी

करता था। पिता प्रहलाद ने कहा- मेरा बेटा ऐसा नहीं कर सकता। उसने 6 महीने पहले ही गोविंदनगर से पुराना लैपटॉप किस्तों में खरीदा था। बता दें 24 अक्टूबर को कानपुर से यूपी ATS ने बम ब्लास्ट की धमकी देने वाले आरोपी को अरेस्ट किया है। उसने ईमेल से यूपी, दिल्ली, गुरुग्राम के स्कूलों में और एक्टर दिलजीत दोसांझ को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल भेजे थे। पकड़े जाने के बाद आरोपी रोने लगा। यूपी एटीएस ने बताया- आरोपी पाकिस्तान, बांग्लादेश, तुर्की, इजिप्ट, यूएसए जैसे देशों में बैठे लोगों को फर्जी ईमेल आईडी बनाकर बेचता था। जिनका इस्तेमाल देश विरोधी गतिविधियों में शामिल किया जाता था। उसने 4 लाख से अधिक फेक ईमेल आईडी बेची थीं, जांच में सामने आया कि प्रत्येक ईमेल आईडी के बदले उसे 20 से 50 डॉलर मिलते थे।

अंकित की मां सावित्री ने रोते हुए कहा- आखों में मोतियाबिंद भी है। बेटा ही शहर के एक प्राइवेट हॉस्पिटल से इलाज करा रहा था। उन्होंने कहा- अब मेरा इलाज कौन कराएगा। परिवार को भरोसा ही नहीं था कि उनका बेटा इस तरह की देश विरोधी गतिविधियों में शामिल हो गया था। सावित्री ने सब कुछ ठीक चल रहा था। लेकिन शनिवार को सादी वर्दी में दो युवक आए और पूछताछ के लिए ले जाने की बात कही थी। लेकिन छह दिन से उसका कुछ पता नहीं चल सका है। थाने चौकी के भी चक्कर काट लिए। मेरा बेटा निर्दोष है, उसे बर्रा के दोस्त ने फंसाया है।

बांग्लादेश के युवक को 6000 यूएसटीडी में दी थी फेक आईडी

अंकित ने बताया- फेसबुक और वाटस्एप के जरिए बांग्लादेशी युवक अलामीनइस्लाम उर्फ अलामीन से जुड़ गया था, जिसमें फर्जी ईमेल आईडी उपलब्ध कराने को कहा था। जिसके बाद अंकित ने simenbriones9265@gmail.com फेक आईडी दी थी, इस फेक ईमेल के जरिए बदले में 6000 USDT (क्रिप्टोकरेंसी) का भुगतान भी किया गया था। इसके सबूत अंकित के मोबाइल से एटीएस को मिले हैं। अंकित ने बताया कि simenbriones9265@gmail.com आईडी अलामीन को ही भेजी थी, जिसका इस्तेमाल 12 अक्टूबर को विभिन्न स्कूलों में धमकी भरे मैसेज भेजने मे किया गया था। साथ ही smithjohnson6889@gmail.com मेल आईडी से 23 अक्टूबर को मुंबई के मेयर हाउस में धमकी भरे ईमेल भेजे गए थे। इन दोनों मेल आईडी का पासवर्ड, रिकवरी मेल व टू फैक्टर कोड एक्सेल सीट में बांग्लादेशी नागरिक अलामीन को वाट्सएप पर भेजा गया था।

मां समान बुजुर्ग महिला की हत्या कर जेवर लूटने वाला पड़ोसी गिरफ्तार

एसएसपी ने प्रेसवार्ता कर किया हत्याकांड का खुलासा

अतुल कुमार जिंदल

मथुरा। कोतवाली क्षेत्र की चूना कंकड़ वाली गली में बुजुर्ग महिला की हत्या कर जेवर लूटने की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। महिला की हत्या किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि उसके पड़ोस में रहने वाले 19 वर्षीय युवक ने की थी। शुक्रवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने प्रेसवार्ता कर घटना की जानकारी दी। पुलिस ने आरोपी भरत को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से बड़ी मात्रा में आभूषण, नकदी और अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 24 अक्टूबर की रात करीब 10 बजे आरोपी भरत ने बुजुर्ग महिला के घर की घंटी बजाई। दरवाजा खोलने पर उसने छत पर कपड़ा गिरने का बहाना बनाया। महिला छत की चाबी लेकर उसे ऊपर ले जाने लगीं। इसी दौरान आरोपी ने सीढ़ियों पर रखी ईंट उठाकर महिला के सिर और चेहरे पर कई वार कर दिए। इससे

उनकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपी महिला के पहने हुए जेवर और कमरे में रखे बैग से आभूषण लेकर फरार हो गया। एसएसपी श्लोक कुमार के मुताबिक, आरोपी मृतका का पड़ोसी था और उनके घर आता-जाता रहता था। महिला उसे अपने बच्चे की तरह मानती थीं। नवरात्रि में बहन के साथ कन्या-लांगुर भोज में जाने के दौरान उसने घर में रखी तिजोरी देख ली थी। इसके बाद उसके मन में जेवर लूटने का लालच आ गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने वारदात की योजना बनाने के लिए इंटरनेट पर बेहोशी के इंजेक्शन और तमंचे के बारे में भी जानकारी तलाश की थी।

फास्ट न्यूज

लूट के आरोपियों को पकड़ने पहुंची दिल्ली पुलिस पर पथराव

आगरा। घंआगरा के हरीपर्वत क्षेत्र में मंगलवार रात लूट के दो वांछित आरोपियों को पकड़ने पहुंची दिल्ली पुलिस की टीम पर भीड़ ने हमला कर दिया। पथराव और मारपीट के बीच पुलिसकर्मियों की वर्दी फाड़ दी। दोनों आरोपियों को छुड़ाकर भगा दिया गया। घटना रात करीब 11 बजे की है। दिल्ली पुलिस की टीम आरोपियों को गिरफ्तार कर स्थानीय थाने ले जा रही थी।

सिद्धार्थनगर के बर्डपुर नंबर-10 में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर में विकास खंड बर्डपुर की ग्राम पंचायत बर्डपुर नंबर-10 में शुक्रवार को ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और सरकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान गर्भवती महिलाओं की गोदभराई भी कराई गई। डीएम ने अधिकारियों से कहा कि सभी पात्र लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाए। उन्होंने ग्रामीणों से योजनाओं की जानकारी और उनसे मिल रहे लाभ के बारे में पूछा।

बांके बिहारी को पति मानने वाली प्रिया ने रखा व्रत

मथुरा। पति की लंबी उम्र की कामना के लिए सुहागिन महिलाएं करवा चौथ पर निर्जला व्रत रखती हैं। लेकिन भगवान राधा कृष्ण की भूमि वृंदावन में एक ऐसी भक्त हैं जिन्होंने बांके बिहारी को ही अपना पति मान लिया है। हरियाणा के फरीदाबाद की रहने वाली प्रिया 4 साल से कान्हा के लिए व्रत रखती हैं,हाथों में मेंहदी लगाती हैं और उनसे कामना करती है।

ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का डीएम ने किया मासिक निरीक्षण

सीसीटीवी कंट्रोल रूम से परखी सुरक्षा व्यवस्था

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात के बनासकांठा से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त जारी की। इसके तहत जनपद मथुरा के 2,44,122 किसानों के बैंक खातों में कुल 48.82 करोड़ रुपये की धनराशि सीधे हस्तांतरित की गई। इस अवसर पर जनपद का मुख्य कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र, मथुरा में आयोजित किया गया। इसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में किसानों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री के संबोधन और किस्त जारी किए जाने का सजीव प्रसारण देखा गया। किसानों को कार्यक्रम से जोड़ने के लिए जनपद के सभी विकास खंडों में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। यहां किसानों को प्रधानमंत्री के संबोधन का सीधा

प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम में किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के उद्देश्य, पात्रता और कृषि कार्यों में मिलने वाली आर्थिक सहायता के महत्व की जानकारी दी गई।

अधिकारियों ने बताया कि योजना के माध्यम से किसानों को खेती से जुड़े आवश्यक कार्यों और कृषि निवेश में आर्थिक मदद मिल रही है। उप कृषि निदेशक आवेश कुमार सिंह ने बताया कि जनपद के 2,44,122 किसानों के खातों में 48.82 करोड़ रुपये की धनराशि सीधे पहुंचाई गई है। इससे जिले के लाखों किसान परिवारों को आर्थिक संबल मिलेगा।

पीईटी की पहली पाली का पेपर मध्यम से कठिन

जीके और गणित के सवालों ने उलझाया, आगरा में 49 केंद्रों पर हो रही परीक्षा

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (PET)-2026 की पहली पाली शुक्रवार को दोपहर 12 बजे संपन्न हो गई। परीक्षा देकर केंद्रों से बाहर निकले अभ्यर्थियों ने प्रश्नपत्र को मध्यम से कठिन स्तर का बताया। परीक्षार्थियों के मुताबिक, सामान्य ज्ञान (जीके) के कुछ सवाल काफी कठिन रहे, जबकि गणित के प्रश्नों ने भी अभ्यर्थियों को उलझाया। वहीं, रीजनिंग के कुछ सवाल भी चुनौतीपूर्ण रहे। हालांकि, कई अभ्यर्थियों ने पेपर को सामान्य और कुल मिलाकर ठीक बताया। परीक्षा समाप्त होने के बाद केंद्रों के बाहर निकले अभ्यर्थियों ने अपने अनुभव साझा किए। किसी को सामान्य ज्ञान के सवालों ने परेशान किया तो किसी को गणित और रीजनिंग में अधिक समय लगाना पड़ा। अभ्यर्थियों का कहना था कि प्रश्नपत्र में सभी विषयों से सवाल

पूछे गए थे, लेकिन कुछ प्रश्नों को हल करने में अपेक्षा से अधिक समय लगा। पहली पाली के अभ्यर्थियों को सुबह करीब आठ बजे से परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश दिया गया। प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की सघन जांच की गई। सुबह से ही परीक्षा केंद्रों के बाहर परीक्षार्थियों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। निर्धारित जांच प्रक्रिया पूरी करने के बाद ही अभ्यर्थियों को केंद्रों के अंदर जाने दिया गया। परीक्षा को नकलविहीन और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा और निगरानी के व्यापक इंतजाम किए गए। सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की गई।

किसी को जीके तो किसी को गणित के सवाल लगे कठिन

उन्नाव से परीक्षा देने आए अरविंद यादव ने बताया कि उनका पेपर कुल मिलाकर ठीक हुआ। हालांकि, रीजनिंग के कुछ सवालों ने उन्हें थोड़ा परेशान किया। इसके अलावा सामान्य ज्ञान के कुछ प्रश्न भी कठिन लगे। उन्होंने बताया कि प्रश्नपत्र में कुछ ऐसे सवाल थे, जिनको हल करने में अतिरिक्त समय देना पड़ा।

उन्नाव से ही आए एक अन्य अभ्यर्थी ने बताया कि पेपर का स्तर ठीक था, लेकिन सामान्य ज्ञान के सवाल अपेक्षाकृत कठिन थे। गणित के प्रश्न भी थोड़े मुश्किल लगे। वहीं, लखनऊ से परीक्षा देने पहुंचे प्रांजल ने बताया कि PET में यह उनका पहला प्रयास था। उनके अनुसार, पेपर अच्छा हुआ, लेकिन गणित के कुछ सवालों को हल करने में परेशानी आई।

उन्नाव से आए अभ्यर्थी अरविंद यादव

49 केंद्रों पर दो पालियों में हो रही परीक्षा

आगरा में PET-2026 के आयोजन के लिए कुल 49 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन केंद्रों पर दो पालियों में कुल 45,552 अभ्यर्थियों को परीक्षा देनी है। प्रत्येक पाली में 22,776 परीक्षार्थियों के शामिल होने की व्यवस्था की गई है।

गोरखपुर में भाजपा एमएलसी और रनर रहे निर्दल प्रत्याशी राजीव यादव ने फॉरेंसिक जांच की मांग की

चुनाव आयोग से मतगणना में अनियमितता की शिकायत

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की मतगणना पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। पहले भाजपा के एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह ने निर्वाचन आयेग को पत्र लिखकर धांधली की शिकायत की है।

अब इस चुनाव में रनर रहे निर्दल प्रत्याशी राजीव यादव ने भी निर्वाचन आयोग को 3 पेज का पत्र लिखकर मतगणना में अनियमितता का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया रद्द कर दोबारा चुनाव की मांग की भी की है। निर्दल प्रत्याशी ने चौथे राउंड के 1612 मतों एवं प्रत्याशी अजय सिंह के मतपत्रों में दर्ज

राजीव यादव ने आरोप लगाया है कि मतगणना के लिए बनाए गए 14 टेबल पर उनके पक्ष के जिन-जिन विवादित मतपत्रों को निर्णय लेने के लिए रिटर्निंग आफिसर के टेबल पर भेजा गया, उसे रद्द कर दिया गया। जबकि ठीक उसी प्रकार के बीजेपी प्रत्याशी के मतपत्रों को वैध माना गया। उन्होंने सवाल किया कि इस चुनाव में शिक्षकों ने वोट दिया था, क्या उन्हें गिनती लिखनी नहीं आती।

द्वितीय वरीयता के मतों की फोरेंसिक जांच कराने के लिए भी आवाज उठायी है। उन्होंने खुद को और उनके एजेंटों को धमकाने और जेल भेजने की धमकी देकर डराने का भी आरोप लगाया है। हालांकि प्रशासन की ओर से पारदर्शी तरीके से मतगणना संपन्न कराने की बात कही जा रही है। उन्होंने कहा कि बूथ संख्या 115, कार्यालय नगर पालिका मऊनाथभंजन की मतपेटी में मतपत्र पीठासीन अधिकारी द्वारा लेखा में दर्ज मतपत्रों से 52 अधिक थे। यह चुनाव प्रक्रिया को संदिग्ध बनाता है। राजीव यादव ने प्रथम वरीयता के मतों के चार चक्रों के बतों का उदाहरण देते हुए सवाल खड़े किए।

पुलिस पर मतगणना एजेंटों को डराने का आरोप

राजीव यादव ने आरोप लगाया कि उनके मतगणना एजेंटों को पुलिस द्वारा डराया गया। जेल में डालने की धमकी दी गई और धक्का देकर मतगणना स्थल से निकालने का प्रयास किया गया। 27 अक्टूबर की सुबह 7:30 बजे स्ट्रांग रूम खोलते समय सभी प्रत्याशियों को बुलाया गया। लेकिन प्रत्येक चक्र में गणना के लिए मतपेटी निकालते समय किसी प्रत्याशी को अंदर नहीं जाने दिया गया। राजीव यादव का आरोप है कि प्रत्याशी अजय सिंह के प्रथम वरीयता के अधिकांश मतपत्रों में बीजेपी प्रत्याशी के कॉलम में द्वितीय वरीयता दर्ज था, जो अलग पेन से लिखा हुआ दिखाई दे रहा था। मतगणना के किसी भी चक्र के बाद प्रत्याशियों को मिले मत का प्रमाणित टेबल नहीं दिया गया।

ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का डीएम ने किया मासिक निरीक्षण

सीसीटीवी कंट्रोल रूम से परखी सुरक्षा व्यवस्था

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने शुक्रवार को जनपद स्थित ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक बाहरी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया और सीसीटीवी कंट्रोल रूम के माध्यम से पूरे परिसर की निगरानी व्यवस्था का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयरहाउस परिसर में नियमित साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने सुरक्षा में तैनात कर्मचारियों को पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ ड्यूटी करने तथा निरंतर निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही सुरक्षा कर्मियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को

आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान समाजवादी पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस तथा बहुजन समाज पार्टी के प्रतिनिधि मौजूद रहे। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे नंद प्रकाश मौर्य, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता गुलवीर सिंह तथा सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज खंडेलवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पृष्ठ 01 का शेष...

तीसरी बार सरकार...

एक बार संगठन ठीक हो गया तो 2014 में यूपी में 41 प्रतिशत वोट के साथ 73 सीट जीतीं। 2017 में नोटबंदी हुई थी तो अखिलेश को रात भर नींद नहीं आई थी। हमने 40 प्रतिशत वोट लेकर 312 सीट जीती थीं। अमित शाह ने विपक्ष के 'वोट चोरी' के आरोपों पर कहा- मैच हारने के बाद अब अंपायर पर आरोप लगाए जा रहे हैं। भाजपा संसद में इस मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। एक बार आइए, विशेष सत्र बुलाते हैं। हम एक-एक बात का जवाब देने को तैयार हैं। संसद में चर्चा कीजिए। शाह ने सीएम योगी की तारीफ की। कहा कि योगी ने माफिया को समाप्त किया। इसके लिए उन्हें बधाई। सपा और बसपा के सभी टर्म मिला लें तो हमारे योगी जी का एक टर्म उनसे ज्यादा है। अखिलेश और उनके पिता की सरकार ने गरीब का हक मारकर परिवार को दिया। आज केंद्र की योजनाओं का सबसे अच्छा क्रियान्वयन यूपी में हो रहा है। सीएम योगी ने मतदाता सूची में वोटरों के नाम कटने पर चिंता जताई। बैठक में उन्होंने कहा- यूपी की आबादी करीब 25 करोड़ है। जनगणना के आंकड़े आने पर यह 25.70 करोड़ तक पहुंच सकती है। इस हिसाब से प्रदेश में करीब 16 करोड़ मतदाता होने चाहिए, लेकिन SIR के बाद मतदाता सूची में केवल 13.39 करोड़ नाम हैं। करीब 1.27 करोड़ हिंदू मतदाताओं के नाम सूची में नहीं हैं। योगी ने आगाह करते हुए कहा कि प्रदेश की 28 शहरी सीटें खतरे में हैं, जबकि 66 अन्य सीटों पर भी स्थिति चिंताजनक है। इसलिए पार्टी के जिलाध्यक्षों, जिला प्रभारियों और विधानसभा प्रभारियों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए सक्रिय होना चाहिए। इस काम में लापरवाही भारी पड़ सकती है। इससे पहले, करीब 9 महीने बाद लखनऊ पहुंचे शाह का सीएम योगी और दोनों डिप्टी सीएम ने स्वागत किया। बैठक में योगी और शाह अगल-बगल बैठे। यूपी प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और यूपी भाजपा प्रभारी विनोद तावड़े भी मौजूद रहे। शाह ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के सभागार में हुई बैठक में विधानसभा चुनाव के रोडमैप पर बात की। 2500 से ज्यादा कार्यकर्ताओं को यूपी में भाजपा की हैट्रिक लगाने का मंत्र दिया। भाजपा कार्यसमिति की बैठक पर यूपी सरकार के मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा- चुनाव आने वाला है। अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी ने कार्यकर्ताओं में उत्साह भरा है। उत्तर प्रदेश में तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनानी है। कार्यकर्ता इसके लिए तैयार हैं। जिस तरह से केंद्र में मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार लगातार सरकार बनी है, उसी तरह से उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ तीसरी बार सरकार बनाएंगे। सीएम योगी ने कहा कि 2019 में काशी विश्वनाथ धाम के जीर्णोद्धार के दौरान भी गलतफहमी फैलाने की कोशिश हुई थी। काम शुरू होने से पहले 100 से अधिक संत धरने पर बैठ गए थे। पुलिस ने बताया कि दुष्प्रचार किया गया है कि मंदिर तोड़ने की साजिश हो रही है। मैंने सभी संतों को सर्किट हाउस बुलाया और कहा कि अगर आप संतुष्ट नहीं होंगे तो मैं भी धरने पर बैठ जाऊंगा। मेरी बात सुनने के बाद 99 संत काम के लिए तैयार हो गए। इसके बाद काशी विश्वनाथ धाम समय से पहले बनकर तैयार हुआ। बाद में भी सोशल मीडिया पर यह अफवाह फैलाई गई कि कॉरिडोर के नाम पर मूर्तियां तोड़ी जा रही हैं। जबकि ऐसा नहीं था। मूर्तियों के निर्माण के बाद बचे अवशेष वहां जमा किए गए थे, जिनका वीडियो बनाकर हंगामा किया गया। सीएम ने कहा कि आज विपक्ष भी इसी तरह गलत नैरेटिव सेट कर रहा है। कार्यकर्ताओं को जनता के बीच जाकर सकारात्मक बातें रखनी चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले इस बैठक में पार्टी की कार्ययोजना पर चर्चा हुई है। करीब डेढ़ साल बाद आज फिर इसी सभागार में बैठक हुई है। डेढ़ साल पहले जब बैठक हुई थी, तब संगठन महापर्व की योजना बनी थी। इसके बाद इसी सभागार में पंकज चौधरी ने प्रदेश अध्यक्ष का पद ग्रहण किया था। योगी ने कहा कि आडवाणी जी कहते थे कि बीजेपी की विशिष्ट पहचान उसकी विचारधारा, आदर्श और मूल्य हैं। ये कभी नहीं बदल सकते। इसी विचारधारा के लिए बीजेपी का कार्यकर्ता अपने मान-सम्मान की चिंता किए बिना काम करता है। उन्होंने कहा कि 30 अक्टूबर की तारीख इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि 1990 में इसी दिन समाजवादी सरकार ने रामभक्तों पर गोलियां बरसाई थीं। अयोध्या की गलियों को रक्तरंजित कर दिया था।

'आलू से सोना'...

अगर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड वालों को बुलाया होता तो यह रिकॉर्ड में दर्ज हो जाता। इस दौरान पीएम ने किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त जारी की। इसके तहत 9.34 करोड़ से ज्यादा किसान परिवारों को 18,690 करोड़ से अधिक की रकम मिलेगी। उन्होंने 14 हजार करोड़ से ज्यादा की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। साथ ही दो नई ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी दिखाई। मोदी बोले- मछली पालन के क्षेत्र में विस्तार हुआ है। भारत का सीफूड निर्यात 2 गुना हो गया है। मधुमक्खी पालन से शहद का उत्पादन 12 सालों में 2 गुना हो गया है। हमारा देश प्राकृतिक शहद का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक बन गया है। पीएम ने कहा- राष्ट्रीय गोकुल मिशन से देसी नस्लों को संरक्षण और बढ़ावा दिया जा है। बनासकांठा में बना नया रिसर्च सेंटर इस मिशन को मजबूती देगा। यहां मुर्रा जाफराबादी जैसी नस्लों का संरक्षण होगा। ये देश में ऐसी पहली सुविधा है। यदि किसी किसान के पास अच्छी नस्ल की गाय है जो ज्यादा दूध देती है और कम खर्च में स्वस्थ रहती है तो वो चाहेगा कि गाय की आने वाली पीढ़ी में भी ये गुण बने रहे। आईवीएफ इसमें मदद करते हैं। इसका सीधा लाभ पशुपालकों को मिलेगा। मोदी ने कहा- किसानों के लिए मौसम में हो रहा बदलाव बहुत बड़ी चुनौती है। बीते सालों में बीजों की करीब 3 हजार नई किस्में किसानों को दी गईं। बीते दशक में भी पशुपालन और डेयरी सेक्टर में भी विज्ञान और टेक्नोलॉजी पर जोर दिया है। पशुओं की नस्ल बेहतर होगी तो दूध उत्पादन बढ़ेगा।

स्वामी प्रसाद हमारे...

जब उनसे अमित शाह के लखनऊ दौरे पर सवाल किया गया तो अखिलेश ने जवाब दिया कि बड़ी देर कर दी महरबां आते-आते। पूर्व मंत्री और अपनी जनता पार्टी के अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने 3 अक्टूबर को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मुलाकात की थी। स्वामी ने INDIA गठबंधन में शामिल होने का ऐलान किया था। कहा था कि हम कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेंगे, इस बारे में बाद में चर्चा की जाएगी। हम चाहते हैं कि राहुल गांधी देश के अगले प्रधानमंत्री बनें। स्वामी प्रसाद ने सपा नेतृत्व पर समाजवादी विचारधारा से भटकने और उनके साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया था। रामचरितमानस और अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर दिए गए उनके बयानों के बाद पार्टी में विरोध हुआ। मौर्य का आरोप था कि पार्टी के नेताओं के हमलों और विरोध के दौरान नेतृत्व ने उनका बचाव नहीं किया। 13 फरवरी 2024 को राष्ट्रीय महासचिव पद से इस्तीफा देने के बाद उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से बातचीत की कोशिश की, लेकिन कोई सार्थक पहल न होने से उनकी नाराजगी बढ़ गई। 20 फरवरी 2024 को उन्होंने सपा की प्राथमिक सदस्यता, राष्ट्रीय महासचिव पद और विधान परिषद (MLC) की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। 2 दिन बाद, 22 फरवरी 2024 को अपनी अलग पार्टी 'राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी' बना ली।

सोमनाथ मंदिर के...

सुनवाई के दौरान गुजरात सरकार के वकील जीएच विर्क दलील दी- "सोमनाथ सिर्फ बाजार नहीं है। 1.16 करोड़ श्रद्धालु 9 महीने में आते हैं। हरिद्वार, ऋषिकेश, अमृतसर (स्वर्ण मंदिर), मथुरा-वृंदावन, अयोध्या में भी ऐसे बैन हैं और हाईकोर्ट ने उन्हें सही माना है। हम दुकान बंद नहीं करवा रहे, वे वेज बेच सकते हैं।"

13 गेंद बाकी रहते टारगेट हासिल किया, अब्बास अफरीदी ने 8 गेंदों पर 35 रन बनाए

हॉन्गकॉन्ग सिक्सेस : पाकिस्तान ने भारत को 4 विकेट से हराया

मुकाबला

> आउट हुए। शशांक सिंह ने आते ही आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने 11 गेंदों पर 40 रन बनाए। उनकी पारी में 2 चौके और 5 छक्के शामिल रहे।

नई दिल्ली, एजेंसी

हॉन्गकॉन्ग इंटरनेशनल सिक्सेस में पाकिस्तान ने भारत को 4 विकेट से हरा दिया। शुक्रवार को खेले गए ग्रुप-C के मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 ओवर में 5 विकेट पर 88 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान ने 3.5 ओवर में 2 विकेट पर 91 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। पाकिस्तान ने 13 गेंद बाकी रहते 89 रन का टारगेट हासिल किया। पाकिस्तान की जीत में अब्बास अफरीदी और ख्वाजा नफे ने अहम भूमिका निभाई। अब्बास ने 8 गेंदों पर 35 रन बनाए। उन्हें को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इसके बाद नफे ने भी तेजी से रन बनाए। वह 12 गेंदों पर 41 रन बनाकर राहुल तेवतिया का शिकार बने। उनकी पारी में 2 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। इसके बाद अब्दुल समद ने 3 गेंदों पर नाबाद 7 और इरफान खान ने एक गेंद पर नाबाद 6 रन बनाकर पाकिस्तान को जीत दिला दी।

पाकिस्तान ने 3.5 ओवर में मैच खत्म किया

89 रन के टारगेट का पीछा करने उतरे पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने शुरुआत से ही तेज बल्लेबाजी की। ख्वाजा नफे और अब्बास अफरीदी ने भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बनाया। दोनों ने पहले विकेट के लिए 2.1 ओवर में 59 रन जोड़े। अब्बास 8 गेंदों पर 35 रन बनाकर शशांक सिंह की गेंद पर आउट हुए।

भारत की ओर से गेंदबाजी में राहुल तेवतिया और शशांक सिंह को एक-एक विकेट मिला। हालांकि, भारतीय गेंदबाज रन रोकने में नाकाम रहे। क्रुणाल पंड्या ने एक ओवर में 31 रन दिए, जबकि टी नटराजन ने एक ओवर में 28 रन खर्च किए। शशांक सिंह ने 14 रन देकर एक विकेट लिया। पाकिस्तान ने 3.5 ओवर में ही 91 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। राहुल त्रिपाठी 5 गेंदों पर 9 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद नीतीश राणा ने 14 गेंदों पर 19 रन बनाए। वह रिटायर्ड

शशांक-नीतीश के बीच 57 रन की साझेदारी

शशांक ने नीतीश राणा के साथ दूसरे विकेट के लिए 57 रन की साझेदारी की। हालांकि, उनके आउट होने के बाद भारतीय पारी लड़खड़ा गई। राहुल तेवतिया और कप्तान क्रुणाल पंड्या खाता भी नहीं खोल सके। दोनों को अब्दुल समद ने लगातार गेंदों पर आउट किया। टी नटराजन ने 6 गेंदों पर नाबाद 12 रन बनाए। भारत ने 6 ओवर में 88 रन बनाए।

सिंधु-लक्ष्य हाइलो ओपन बैडमिंटन के क्वार्टर फाइनल में

सिंधु ने सीधे गेम में जीता मैच, मालविका और इशरानी बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन ने गुरुवार को जर्मनी के सारब्रुकन में चल रहे हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

सिंधु ने महिला सिंगल्स के दूसरे राउंड में फ्रांस की रोसी ओक्टाविया पंकसारी को 26 मिनट में 21-9, 21-6 से हराया।

पुरुष सिंगल्स में लक्ष्य सेन ने हमवतन किरण जॉर्ज को 54 मिनट में 21-15, 18-21, 21-12 से शिकस्त दी। दूसरी ओर मालविका बंसोड़ और इशरानी बरुआ हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने फ्रांस की पंकसारी के खिलाफ शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। उन्होंने मैच में खेले गए 57 पॉइंट में से 42 अपने नाम किए।

फ्रेंच ओपन में उपविजेता रहीं पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने पहले राउंड में प्रकृति भारत को हराया था। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना डेनमार्क की अमली शुल्ज से होगा।

दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी। उन्होंने फ्रांस की पंकसारी को दोनों गेम में वापसी का मौका नहीं दिया। सिंधु ने मुकाबले में खेले गए 57 पॉइंट में से 42 अपने नाम किए, जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी को 15 पॉइंट मिले। भारत के टॉप रैंकिंग वाले पुरुष सिंगल्स खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने प्री-क्वार्टर फाइनल में हमवतन किरण जॉर्ज को हराया। लक्ष्य ने पहला गेम 21-15 से जीता, लेकिन दूसरे गेम में 18-21 से हार गए।

राशिद टी20 इंटरनेशनल में 200 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज

उमरजई का 44 गेंद पर शतक, अफगानिस्तान ने जिम्बाब्वे सीरीज जीती

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान मेंस टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 200 विकेट लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन गए।उन्होंने 120 मैचों में यह माइल स्टोन हासिल किया।

शारजाह में गुरुवार को राशिद खान ने दूसरे टी-20 मैच में जिम्बाब्वे के विकेटकीपर तादिवनाशे मरुमानी को LBW किया। मरुमानी राशिद का 200वां विकेट बने।

इस मैच को अफगानिस्तान ने 19 रन से जीता। उसने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। तीसरा मुकाबला एक नवंबर को खेला जाएगा।

टेस्ट के सबसे युवा कप्तान हैं। 2019 में 20 साल 350 दिन की आयु में बांग्लादेश के खिलाफ चटग्राम में अफगानिस्तान की कप्तानी की थी। वनडे के सबसे युवा कप्तान। 19 साल 165 दिन की उम्र में 2018 में बुलवायो में स्कॉटलैंड के खिलाफ अफगानिस्तान की वनडे टीम की कप्तानी की थी। अफगानिस्तान शुरुआती 4 विकेट 20 से कम रन पर गंवाने के बाद टी-20 इंटरनेशनल मैच 200 से ज्यादा रन बनाने वाली पहली टीम बनी।

40 साल 188 दिन की उम्र में T20I शतक लगाया। वे मेंस T20 इंटरनेशनल में शतक लगाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने।

अजमतुल्लाह उमरजई और इजाज अहमद अहमदजई ने 142 रन की साझेदारी की। यह T20I में छठे या उससे निचले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है।

उमरजई ने 50 गेंदों पर 116 रन बनाए। उनकी पारी में 5 चौके और 12 छक्के शामिल रहे। उन्होंने 44 गेंदों पर अपना पहला T20I शतक पूरा किया। उनका स्ट्राइक रेट 232 रहा।

अफगानिस्तान की पारी के आखिरी ओवर में राशिद खान ने कुंदई मतिगीमु की गेंदों पर 4 छक्के लगाए। उन्होंने सिर्फ 6 गेंदों पर नाबाद 25 रन बनाए। अफगानिस्तान 221/7 के स्कोर तक पहुंचा।

अब तक फिट नहीं, सिराज और नीतीश रेड्डी इंडिया ए से जुड़ेंगे, चौथा टी-20 मैच खेला जाएगा

प्रसिद्ध कृष्णा न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

नई दिल्ली। प्रसिद्ध कृष्णा न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। BCCI ने शुक्रवार को बताया कि प्रसिद्ध को फिट होने की शर्त पर ही टीम में शामिल किया गया था। लेकिन, उन्हें पूरी तरह ठीक होने में थोड़ा समय और लगेगा।

प्रसिद्ध जांघ की चोट (हैमस्ट्रिंग) से उबर रहे हैं। वे 30 सितंबर को वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे में चोटिल हुए थे।

नीतीश कुमार रेड्डी न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 नवंबर को होने वाले पहले वनडे के लिए भारतीय टीम का हिस्सा बने रहेंगे। वे न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ तीसरे और आखिरी 4 दिवसीय मैच के लिए इंडिया-ए टीम से जुड़ेंगे। इससे उन्हें 19 नवंबर से शुरू होने वाली 2 टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले मैच प्रैक्टिस का मौका मिलेगा।

भारत के वनडे कप्तान शुभमन गिल के साथ प्रसिद्ध कृष्णा। (फाइल फोटो)

भारत और न्यूजीलैंड के बीच 5 मैचों की वनडे सीरीज 4 नवंबर से खेली जाएगी। फिलहाल, टीम इंडिया 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 3-0 से आगे चल रही है। आज चौथा टी-20 मैच खेला जाएगा।

दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के लिए इंडिया-ए

यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, यश राठौड़, आर. स्मरण, ध्रुव जुरेल (कप्तान और विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, शिखर मोहन, मुकेश चौधरी, मुकेश कुमार, मानव सुथार और कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर)।

शुरुआती 3 वनडे के लिए भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, नमन धीर, अंशुल कंबोज, गुरनूर बराड़, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव और नीतीश कुमार रेड्डी (केवल पहले वनडे के लिए)।

प्रसिद्ध इंडिया ए से खेलेंगे, टेस्ट सीरीज की तैयारी होगी

प्रसिद्ध फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ तीसरे अनऑफिशियल टेस्ट के लिए इंडिया-ए से जुड़ेंगे। इससे उन्हें टेस्ट सीरीज से पहले मैच प्रैक्टिस करने में मदद मिलेगी। मोहम्मद सिराज 31 अक्टूबर से न्यूजीलैंड-A के खिलाफ शुरू होने वाले दूसरे 4 दिवसीय मैच के लिए इंडिया-A टीम से जुड़ेंगे। नीतीश कुमार रेड्डी तीसरे चार दिवसीय मैच में टीम के साथ जुड़ेंगे। यह मैच 7 नवंबर से लिंकन में खेला जाएगा।

टेस्ट सीरीज के लिए प्रसिद्ध की फिटनेस पर ज्यादा ध्यान

हेड कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों के लिए प्रसिद्ध को टीम में चाहते हैं। इसलिए उनकी फिटनेस पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है।

भारत के लिए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) फाइनल की रेस के लिहाज से यह सीरीज अहम है। यही कारण है कि टीम मैनेजमेंट ने उन्हें वनडे में नहीं उतारने का फैसला लिया है।

मनोरंजन

'उरी' नहीं चलती तो हिमाचल लौट जातीं, 'आर्टिकल 370' के लिए नेशनल अवॉर्ड मिला

एक्टिंग छोड़कर खेती करने वाली थीं यामी

नई दिल्ली, एजेंसी

टीवी से करियर शुरू करने वाली यामी गौतम ने 2012 में 'विक्की डोनर' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। पहली फिल्म हिट रही, लेकिन आगे का सफर आसान नहीं रहा। 'टोटल सियापा', 'एक्शन जैक्सन', 'सनम रे', 'जुनूनियत', 'सरकार 3' और 'बत्ती गुल मीटर चालू' के बॉक्स ऑफिस पर निराशाजनक प्रदर्शन के बीच उन्होंने एक्टिंग छोड़कर हिमाचल प्रदेश में खेती करने का मन बना लिया था।

यामी ने बताया कि उन्होंने वहां जमीन खरीदी थी। 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' नहीं चलती तो वह बैग पैक करके घर लौट जातीं। हालांकि, 'उरी' और 'बाला' की सफलता ने उनके करियर को नई दिशा दी। बाद में 'ओएमजी 2' और 'आर्टिकल 370' जैसी फिल्मों में उन्होंने अभिनय क्षमता साबित की। 'आर्टिकल 370' में जूनी हक्सर के किरदार के लिए उन्हें 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का सम्मान मिला। पहली फिल्म की सफलता के बाद यामी के करियर से तेजी से आगे बढ़ने की उम्मीद थी। हालांकि, बॉलीवुड में एक हिट फिल्म से लंबी पारी तय नहीं होती। कलाकार को लगातार अच्छी भूमिकाओं और सफल फिल्मों की जरूरत होती है। यामी के साथ भी यही हुआ।

'बदलापुर' एक एक्शन क्राइम ड्रामा है, जिसमें यामी गौतम, वरुण धवन और नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थीं।

टीवी से बॉलीवुड तक का सफर, पहली फिल्म से मिली पहचान

यामी गौतम ने करियर में कई उतार-चढ़ाव देखे। बॉलीवुड में कदम रखने से पहले उन्होंने टेलीविजन पर काम किया। 'चांद के पार चलो' और 'ये प्यार न होगा कम' जैसे शोज से उन्हें पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने फिल्मों की ओर रुख किया। यामी ने 2012 में रिलीज हुई 'विक्की डोनर' से हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया। शूजित सरकार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में उनके साथ आयुष्मान खुराना थे। स्पर्म डोनेशन जैसे संवेदनशील विषय पर बनी कॉमेडी-ड्रामा को दर्शकों ने पसंद किया। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही और यामी को पहचान मिली।

आमिर की पत्नी गौरी ने मनाया पहला करवा चौथ

प्रियंका चोपड़ा, शिल्पा शेट्टी और रकुल प्रीत सिंह ने भी रखा व्रत

नइ दिल्ली। प्रियंका चोपड़ा, आमिर खान, शिल्पा शेट्टी, सोनम कपूर और मीरा राजपूत समेत कई सेलेब्स ने गुरुवार को करवा चौथ का त्योहार मनाया।

आमिर खान और उनकी पत्नी गौरी स्प्रैट मुंबई में अनिल कपूर के घर आयोजित समारोह में शामिल हुए। शादी के बाद यह उनका पहला करवा चौथ था। आमिर ने इस मौके पर कुर्ता-धोती और साधारण चप्पल पहनी थी। वहीं, गौरी नीले रंग के बनारसी सूट में नजर आईं। दोनों ने साथ में पहुंचकर पैपराजी के सामने तस्वीरें भी खिंचवाईं। अनिल कपूर के मुंबई स्थित घर पर उनकी पत्नी सुनीता कपूर ने हर साल की तरह करवा चौथ का आयोजन किया। इस समारोह में शिल्पा शेट्टी, सोनम कपूर, मीरा राजपूत, रीदिमा कपूर साहनी, महीप कपूर, भावना पांडे, नीलम कोठारी, गीता बसरा, अंशुला कपूर, ताहिरा कश्यप, मिनी माथुर और फराह खान समेत कई हस्तियां पहुंचीं। प्रियंका चोपड़ा ने अमेरिका में पति निक जोनस और बेटी मालती मैरी के साथ करवा चौथ मनाया। उन्होंने सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर कर बताया कि निक ने इस खास दिन घर पर रहने के लिए अपने टूर का शेड्यूल इस तरह बनाया कि वह उनके साथ त्योहार मना सकें।

विठाबाई के किरदार में छाईं एक्ट्रेस, डायलॉग्स और अजय-अतुल का म्यूजिक भी कमाल

श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईठा' का ट्रेलर रिलीज

> फिल्म 'ईठा' से कल रणदीप हुड्डा का फर्स्ट लुक भी जारी हुआ था। पोस्टर में रणदीप अपने किरदार अन्ना सावंत मर्चेंट के रूप में नजर आ रहे हैं।
>
> रणदीप हुड्डा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर यह पोस्टर शेयर किया। पोस्टर में वह बड़ी मूंछों और भारी-भरकम शरीर के साथ दिख रहे हैं।

नई दिल्ली। श्रद्धा कपूर की अपकमिंग फिल्म 'ईठा' का ट्रेलर आज दोपहर रिलीज हुआ। फिल्म में श्रद्धा मशहूर लावणी कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर का किरदार निभा रही हैं। लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी यह फिल्म 4 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में रणदीप हुड्डा, मोहम्मद जीशान अय्यूब और नाना पाटेकर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म 'ईठा' का ट्रेलर महाराष्ट्र की लोककला तमाशा और लावणी की दुनिया दिखाता है। ट्रेलर में कला, संघर्ष और अपने सम्मान के लिए लड़ाई नजर आती है। श्रद्धा विठाबाई के किरदार में दमदार लग रही हैं। उनके डायलॉग भी असर छोड़ते हैं। एक जगह वह कहती हैं, "देखते हैं क्या टूटता है, मेरा भरोसा या मेरा घमंड। मेरा भरोसा ही मेरा घमंड था रे। जब वो टूट गया ना, सब टूट गया।"

मोहम्मद जीशान अय्यूब का अंदाज भी ध्यान खींचता है। उनके डायलॉग्स भी शानदार हैं। ट्रेलर में वह श्रद्धा कपूर के किरदार ईठा से कहते हैं, "तुझसे तो नाच के मुकाबले में तकदीर भी नहीं जीत सकती, ईठा। बिना नाचे जाएगी क्या? देख, आसमान का मंडप है, चांद की लाइट है, हवाओं के स्पीकर हैं। कोई हो न हो, तेरा रिवाज तो है। तू ही कहती थी न कि पड़े-पड़े मरी तो बेचारी कहलाऊंगी।"

इसके बाद ईठा कहती है, "पर नाचते हुए मरी तो मिसाल बन जाऊंगी।" ट्रेलर की जान इसका संगीत है। अजय-अतुल का म्यूजिक कहानी के माहौल को और मजबूत बनाता है। नववारी साड़ी को लेकर श्रद्धा का डायलॉग भी खास है, वो कहती हैं, "ये सिर्फ कपड़ा नहीं, अभिमान है। जिसे पहनने मिले, वो भाग्यवान है।"

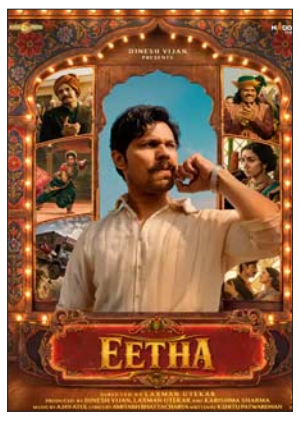

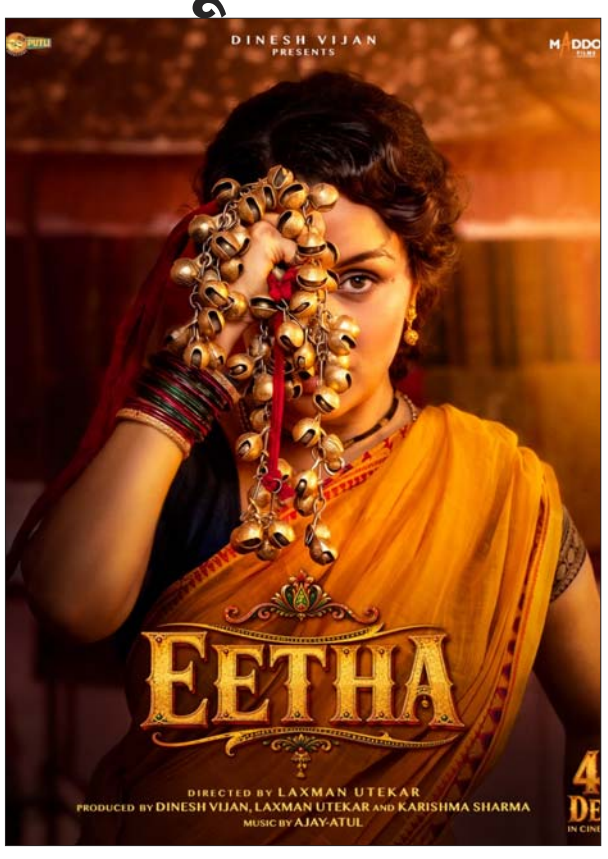

ईरान और यूक्रेन युद्ध से जुड़े गोपनीय दस्तावेज पत्रकारों को दिए, जांच के दौरान जुर्म कबूला

अमेरिका ने जानकारी लीक करने पर लेफ्टिनेंट जनरल को हटाया

कार्रवाई

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी सेना के लेफ्टिनेंट जनरल ब्रेट सिल्विया को पद से हटाने की वजह सामने आई है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने उन्हें पत्रकारों को गोपनीय जानकारी लीक करने के आरोप में हटाया था। यह मामला रूस-यूक्रेन युद्ध और ईरान युद्ध से जुड़ा है।

सिल्विया ने जांच के दौरान पत्रकारों को गोपनीय जानकारी देने की बात स्वीकार की थी। सिल्विया को 28 अक्टूबर को पद से हटाया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, जून 2025 से करीब एक साल तक उन्होंने दो अलग-अलग मीडिया संस्थानों के पत्रकारों से संपर्क रखा और उन्हें गोपनीय जानकारी दी। दोनों मीडिया संस्थानों के नाम अभी सार्वजनिक नहीं किए गए हैं।

लीक हुई जानकारी का पूरा ब्योरा सामने नहीं आया है। अब तक जांच से जुड़ी रिपोर्टों 4 अहम बातें सामने आई हैं:

सिल्विया ने एक पत्रकार को गोपनीय सैन्य रिपोर्ट में दर्ज अमेरिका की ओर से यूक्रेन को दी जा रही मदद की जानकारी बताई थी। इसके लिए उन्होंने रिपोर्ट पढ़ते समय बनाए गए नोट्स का इस्तेमाल किया। उन्होंने पत्रकार को ये बातें लिखित दस्तावेज देने के बजाय आमने-सामने मुलाकात में बताई थीं। हालांकि, हथियारों के नाम, उनकी संख्या और सप्लाई से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक नहीं हुई है।

जांच में एक पत्रकार के साथ सिग्नल ऐप पर हुई बातचीत भी सामने आई। सिल्विया को जून या जुलाई 2026 में पत्रकार का एक मैसेज मिला था। उन्होंने जांच अधिकारियों को बताया कि उन्हें लगा था कि यह मैसेज ईरान से जुड़ा है।

उन्होंने कहा कि उन्हें बातचीत का सही ब्योरा याद नहीं है और मैसेज हटाते समय गलती से पूरी चैट भी डिलीट हो गई थी। अमेरिकी अधिकारियों को शक है कि उन्होंने जानबूझकर बातचीत मिटाई थी।

ईरान युद्ध के दौरान हथियारों की कमी की खबरें भी आईं

सिल्विया का मामला ऐसे समय सामने आया है, जब ईरान युद्ध में अमेरिकी हथियारों के भंडार और सैन्य तैयारियों को लेकर भी कई जानकारियां मीडिया में आई थीं। वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, इन खबरों के बाद सेना के कई अधिकारियों की पॉलीग्राफ जांच कराई गई थी। रॉयटर्स ने 28 अक्टूबर को अमेरिकी सेना के आंतरिक आकलन के हवाले से बताया था कि ईरान युद्ध में इस्तेमाल किए गए हथियारों का भंडार दोबारा भरने में करीब 29 अरब डॉलर खर्च हो सकते हैं।

युद्ध पर अमेरिका का कुल खर्च 47 अरब डॉलर से ज्यादा बताया गया था। इसमें हथियारों की भरपाई, सैन्य अभियान और उपकरणों के नुकसान का खर्च शामिल है।

एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक, सिल्विया चार बार पॉलीग्राफ यानी झूठ पकड़ने वाले टेस्ट में फेल हुए थे। इसके बाद उन्होंने वीडियो रिकॉर्डिंग में पत्रकारों को गोपनीय जानकारी देने की बात स्वीकार की।

पॉलीग्राफ टेस्ट में व्यक्ति के झूठ बोलने का पता लगाने के लिए उसकी सांस, दिल की धड़कन और ब्लड प्रेशर जैसे बदलावों को मापा जाता है।

जांच के दौरान उन्होंने अपना निजी फोन भी अधिकारियों को दिया, ताकि पत्रकारों के साथ हुई बातचीत की जांच की जा सके। हालांकि, पॉलीग्राफ टेस्ट को किसी के झूठ बोलने का निर्णायक प्रमाण नहीं माना जाता।

अमेरिकी सेना के लेफ्टिनेंट जनरल ब्रेट सिल्विया ने दिसंबर 2025 में पद संभाला था।

अमेरिका की नाक के नीचे चल रहा ईरान का 2 अरब डॉलर का सीक्रेट मिलिट्री नेटवर्क

तेहरान, एजेंसी

ईरान ने जनवरी 2025 से हार्डवेयर, विस्फोटक और भारी-भरकम ट्रकों के रूप में कम से कम 2 अरब डॉलर का सामान मंगाने के लिए 5,000 से अधिक सैन्य एजेंसियों का एक गुप्त नेटवर्क बनाया है। ये सभी एजेंसियां ऐसे नामों से काम कर रही हैं, जिनकी शुरुआत MOD से होती है।

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की एक जांच से पता चला है कि अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी और पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बावजूद यह सिलसिला जारी है। ये नतीजे इस बात पर रोशनी डालते हैं कि 28 फरवरी को अमेरिकी और इजरायली हमलों से शुरू हुए संघर्ष के दौरान हजारों मिसाइलों और ड्रोनों का इस्तेमाल करने के बावजूद ईरान किस तरह अपने मिसाइल और ड्रोन जखीरे को फिर से भरने में कामयाब रहा है। जांच में पता चला है कि यह जटिल तंत्र इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स और बोनयाद कहे जाने वाले उन व्यावसायिक समूहों से जुड़ा है, जिन्हें ईरान के प्रभावशाली वर्ग का नियंत्रण प्राप्त है। इसके वित्तीय सुराग 2016 के लैंडिंग बिलों और अन्य शिपिंग डेटा में देखे जा सकते हैं। हालांकि रॉयटर्स को ऐसा कोई सबूत नहीं मिला कि पश्चिमी सरकारों ने कभी भी इन सूचीबद्ध इकाइयों में से किसी पर भी प्रतिबंध लगाया हो। रॉयटर्स ने इजरायली-अमेरिकी रिस्क कंसल्टेंसी 240 एनालिटिक्स के साथ मिलकर पहली बार इस नेटवर्क की पहचान की है। बताया जाता है कि यह नेटवर्क तेहरान के लिए सैन्य साजो-सामान जुटाने और प्रतिबंधों से बचने के तंत्र में रीढ़ की हड्डी का काम करता है। ये एजेंसियां एक ही तरह के नामकरण पैटर्न का पालन करती थीं, जिसकी शुरुआत MOD (फारसी में VODJA) अक्षरों से होती थी और इसके बाद पांच या छह अंकों की एक संख्या लिखी जाती थी जिसे पूरे शब्दों में लिखा जाता था।

फास्ट न्यूज

भारत ने यूएन सुरक्षा परिषद में अस्थायी सीट के लिए ठोकी दावेदारी

वाशिंगटन। भारत ने 2028-29 के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सीट पाने की भारत की दावेदारी के लिए समुद्री सुरक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) को मुख्य केंद्र बनाया है। सुरक्षा परिषद में एक उच्च-स्तरीय चर्चा के दौरान, संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत हरीश पर्वथानेनी ने जोर देकर कहा कि साझा समुद्री क्षेत्रों को विवाद का केंद्र बनाने की बजाय अधिक सुरक्षित बनाने पर ध्यान देना चाहिए।

घरों में इमरजेंसी राशन जमा कर रहे जापान

नई दिल्ली। दुनिया के कई विकसित देश अपने लोगों से घर पर जरूरी सामानों का स्टॉक रखने की सलाह दे रहे हैं। इन देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, नॉर्वे, फिनलैंड, स्वीडन समेत कई अन्य शामिल हैं।

इन देशों की सरकार ने अपने नागरिकों को आपातकाल के लिए तैयार रहने को कहा है। साथ ही कहा कि अपने घरों में जरूरी चीज जैसे खाना, पानी, दवा और अन्य जरूरी आइटमों का स्टॉक बना कर रखें। किसी भी आपातकाल स्थिति में बाहर से संपर्क कटने पर सामान मंगाने की जरूरत ना पड़े।

रिलायंस के सितंबर तिमाही के नतीजे

मुंबई। देश की सबसे वैल्युएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (RIL) आज, 30 अक्टूबर को अपने दूसरी तिमाही के नतीजे जारी करेगी। ऑयल रिफाइनिंग मार्जिन में तेजी, जियो के यूजर्स और ARPU में बढ़ोतरी के दम पर कंपनी का मुनाफा मजबूत रहने का अनुमान है। ब्लूमबर्ग कंसेंसस एस्टिमेट्स के मुताबिक, रिलायंस इंडस्ट्रीज सितंबर तिमाही में 21,368 करोड़ का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट दर्ज कर सकती है।

नेतन्याहू पिछले 8 चुनावों में इस बार सबसे कमजोर

उनकी पार्टी को सिर्फ 27 सीटें मिलीं

तेल अवीव, एजेंसी

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की पार्टी लिकुड को 2026 के चुनाव में 27 सीटें मिली हैं। पिछले 8 चुनावों में यह उनकी पार्टी का सबसे कमजोर प्रदर्शन है। इससे पहले लिकुड को 2009 में 27 सीटें मिली थीं। इजराइल की संसद नेसेट में कुल 120 सीटें हैं। नेतन्याहू के गठबंधन को 53 सीटें मिली हैं। सरकार बनाने के लिए 61 सांसदों का समर्थन चाहिए। उनकी पार्टी बहुमत से 34 सीटें पीछे है, लेकिन सत्ता में उनकी वापसी के आसार हैं।

इसकी वजह विपक्षी दलों के बीच मतभेद और सरकार बनाने के लिए जरूरी समर्थन जुटाने की संभावनाएं हैं। नेतन्याहू विपक्षी खेमे में शामिल कुछ दलों या सांसदों को अपने साथ लाने की कोशिश कर सकते हैं। विपक्ष के पास कुल 48 सीटें हैं। अगर उसके कुछ सहयोगी नेतन्याहू का समर्थन करने को तैयार हो जाते हैं, तो उनके लिए 61 सीटों का आंकड़ा हासिल करना संभव हो सकता है। चुनौती- इस रास्ते में सबसे बड़ी चुनौती विपक्षी नेताओं का विरोध है। उन्होंने चुनाव में नेतन्याहू को सत्ता से हटाने का वादा किया था। ऐसे में उनके लिए नेतन्याहू के साथ जाना राजनीतिक रूप से मुश्किल होगा।

नेतन्याहू विपक्षी नेता गादी आइजनकोट और उनके सहयोगियों के साथ मिलकर राष्ट्रीय एकता सरकार बनाने की कोशिश कर सकते हैं।

रिपब्लिकन पार्टी पीछे, अब तक 4 करोड़ ने वोट डाला, ट्रम्प ने 30 राज्यों की वोटर लिस्ट मंगवाई

अमेरिका- मिडटर्म चुनाव की अर्ली वोटिंग

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका में 3 नवंबर को मिडटर्म चुनाव होने वाले हैं। इससे पहले ही अर्ली वोटिंग शुरू हो गई है। अब तक करीब 4 करोड़ लोग वोट डाल चुके हैं।

रॉयटर्स और इप्सॉस के सर्वे के मुताबिक, अर्ली वोटिंग में राष्ट्रपति ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी पीछे चल रही है। विपक्षी डेमोक्रेट्स को 47% और रिपब्लिकन पार्टी को 36% वोटरों का समर्थन मिल रहा है।

इस बीच ट्रम्प ने अमेरिका के 30 राज्यों से वोटर लिस्ट की मांगी की है। माना जा रहा है कि ट्रम्प इस डेटा के जरिए विरोधी वोटरों की पहचान कर उन पर दबाव बनाने की कोशिश कर सकते हैं।

भारतवंशी पूर्व उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने भी चुनावी सभाएं बढ़ा दी हैं। 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में वे ट्रम्प के खिलाफ डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार थीं। मिडटर्म चुनाव में अगर रिपब्लिकन पार्टी हार जाती है तो भी ट्रम्प राष्ट्रपति बने रहेंगे। उनका कार्यकाल 2028 तक है। हालांकि, संसद में बहुमत नहीं रहने पर उनके लिए अपनी नीतियों को लागू करना मुश्किल हो जाएगा।

टैरिफ, वीजा और इमिग्रेशन जैसे मुद्दों पर फैसले लेने में भी उन्हें संसद के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में कार्यकाल के बाकी दो साल वे कमजोर राष्ट्रपति बनकर रह सकते हैं। अमेरिकी राजनीति में ऐसी स्थिति को 'लेम डक' कहा जाता है। अगर ट्रम्प की पार्टी हारी तो डेमोक्रेट्स उसके खिलाफ और मुखर हो सकते हैं। विपक्षी नेता उनके खिलाफ महाभियोग लाने की बात पहले ही कह चुके हैं। अगर संसद में डेमोक्रेट्स को जरूरी संख्या में सीटें मिलती हैं तो ट्रम्प के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

ट्रम्प वोटरों की निजी जानकारी मांग रहे

ट्रम्प सरकार ने 30 राज्यों से वोटरों की पूरी जानकारी मांगी है। इस मामले में ट्रम्प प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट में भी अपील की है। इस लिस्ट में वोटरों के पते, जन्मतिथि और सोशल सिक्योरिटी नंबर जैसी जानकारियां शामिल हैं। ट्रम्प सरकार का कहना है कि वह यह जानकारी इसलिए चाहता है ताकि पता लगाया जा सके कि कहीं गैर-अमेरिकी नागरिक तो वोट नहीं डाल रहे। हालांकि, अब तक फर्जी वोटिंग होने का कोई ठोस सबूत सामने नहीं आया है। जानकारों ने चिंता जताई है कि इस जानकारी का इस्तेमाल ट्रम्प के विरोध में वोट डालने वालों की पहचान के लिए हो सकता है। आशंका है कि सरकार इमिग्रेशन एजेंसी ICE और FBI के जरिए ऐसे लोगों पर दबाव बना सकती है।

डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने चुनाव प्रचार की कमान संभाली है। वे अब तक 50 से ज्यादा चुनावी सभाएं कर चुके हैं। कैलिफोर्निया और टेक्सास जैसे राज्यों में ओबामा काफी लोकप्रिय हैं।

अमेरिका के 10 सैन्य विमान इजराइल में उतरे

ट्रम्प की पश्चिम एशिया के टॉप कमांडर से मुलाकात, ईरान पर फिर हमले की तैयारी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

वाशिंगटन में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से बात करते हुए। यह तस्वीर 28 जुलाई 2026 की है।

अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा दी है। पिछले एक हफ्ते में उसके 10 से ज्यादा सैन्य मालवाहक विमान दक्षिणी इजराइल के एयरबेस पर उतरे हैं।

इसी बीच राष्ट्रपति ट्रम्प ने गुरुवार को व्हाइट हाउस में अमेरिकी सेना के पश्चिम एशिया कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर से मुलाकात की।

वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, कूपर ने ईरान पर संभावित सैन्य हमले के विकल्पों की जानकारी दी। बैठक में अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन डैन केन भी मौजूद थे।

इन विमानों में क्या सामान लाया गया, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका संभावित युद्ध से पहले पश्चिम एशिया में अपनी हवाई सुरक्षा मजबूत कर रहा है। अमेरिका टेक्सास से पैट्रियट मिसाइल सिस्टम की एक बैटरी भी पश्चिम एशिया भेज रहा है। इसका इस्तेमाल दुश्मन के मिसाइल हमलों को रोकने के लिए किया जाता है।

ब्रिटिश अखबार द टेलीग्राफ के मुताबिक, ईरान ने इजराइल के चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की थी। साथ ही वह अगले हफ्ते होने वाले अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में भी दखल देने की तैयारी कर रहा था।

अखबार ने ईरानी अधिकारियों के हवाले से बताया कि इसके लिए एजेंटों की भर्ती और अमेरिकी चुनाव सिस्टम को हैक करने वाले साइबर समूह बनाने की कोशिश की गई। एक अधिकारी ने कहा कि ईरान इसे अमेरिका और इजराइल के खिलाफ युद्ध का हिस्सा मानता है। उसका मकसद दोनों देशों के लोगों के बीच मतभेद बढ़ाना है।

अमेरिकी चुनाव के बाद ईरान पर हमले की तैयारी

अमेरिका और इजराइल 3 नवंबर को होने वाले अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के बाद ईरान पर फिर हमले करने की योजना बना रहे हैं।

वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, दोनों देश छोटी लेकिन तेज सैन्य कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं। इसमें ईरान के ऊर्जा ठिकानों, परमाणु केंद्रों और मिसाइलों व ड्रोन के भंडार को निशाना बनाया जा सकता है।

हालांकि, ट्रम्प अभी सैन्य कार्रवाई नहीं करने का फैसला भी ले सकते हैं।

विमान ट्रैकिंग डेटा पर नजर रखने वाले विशेषज्ञों के मुताबिक, अमेरिका के ज्यादातर सैन्य मालवाहक विमान टेक्सास के बिग्स आर्मी एयरफील्ड से रवाना हुए थे। ये इजराइल के नेवातिम और ओवदा एयरबेस पहुंचे।

इसके अलावा अमेरिका के कई सैन्य विमान सऊदी अरब, कतर, कुवैत और जॉर्डन में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर भी पहुंचे हैं।

अमेरिका के कोलोराडो में पहाड़ पर हाइक के दौरान लापता हुए थे दो छात्र

वाशिंगटन, एजेंसी

हाइकिंग ट्रिप के दौरान जान गंवाने वाले कोलोराडो के दो कॉलेज छात्रों के शव गुरुवार को हेलीकॉप्टर की मदद से बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि तेज हवाओं के कारण शवों को नीचे लाने के प्रयासों में देरी हुई।

19 वर्षीय काडेन मात्सुदा और 20 वर्षीय जैक्सन डॉनलोन बुधवार को वेस्ट एपोस्टल माउंटेन के बर्फ से ढके एक हिस्से में मिले। शैफी काउंटी शेरिफ कार्यालय के अनुसार, अगले दिन दोपहर करीब 1 बजे ग्राउंड क्रू (जमीनी बचाव दल) ने उनके शवों को वहां से निकाला।

मात्सुदा और डॉनलोन पिछले शुक्रवार को कोलोराडो माउंटेन कॉलेज के लीडविले कैंपस से निकले थे। वे 'आइस माउंटेन' (4,254 मीटर ऊंची चोटी) की यात्रा पर जा रहे थे, लेकिन इसी दौरान वे लापता हो गए। शैफी काउंटी शेरिफ कार्यालय के मुताबिक, जब उन्होंने हाइकिंग शुरू की तब बारिश हो रही थी। शनिवार सुबह मौसम कुछ देर के लिए साफ हुआ, लेकिन दोपहर में एक भीषण तूफान आ गया, जिससे वहां 2 फुट (0.6 मीटर) तक बर्फ जमा हो गई।

उनके रविवार तक वापस आने की उम्मीद थी, लेकिन सोमवार सुबह कॉलेज के कर्मचारियों ने उनके लापता होने की सूचना दी। आखिरकार, एस्पेन से लगभग 100 मील (160 किलोमीटर) दक्षिण-पूर्व में, वेस्ट एपोस्टल माउंटेन के एक बेसिन में उनके शव मिले। शवों को मृत्यु की जांच करने वाले अधिकारी के कार्यालय ले जाया गया, जहां सोमवार को उनका पोस्टमार्टम होगा।

कॉलेज के कैंपस डीन, बेन केर्न्स ने एक बयान में कहा कि वे छात्र यहां सीखने, नई चीजें खोजने और अपना भविष्य बनाने आए थे।

जांच : 72 घंटे 3 देशों में चला ऑपरेशन ■ इटली के पासपोर्ट पर अमेरिका पहुंचे

ब्राजील - बोल्सोनारो को भागने में ट्रम्प ने मदद की

ब्रासीलिया/मियामी, एजेंसी

ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव में हारने वाले फ्लावियो बोल्सोनारो गिरफ्तारी के डर से परिवार के साथ अमेरिका पहुंच गए। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने इसमें उनकी मदद की। यह पूरा ऑपरेशन 3 देशों से होते हुए 72 घंटे में हुआ। फ्लावियो पत्नी और दो बेटियों के साथ ब्राजील से पहले अर्जेंटीना पहुंचे। वहां से इक्वाडोर होते हुए 28 अक्टूबर को अमेरिका के मियामी पहुंच गए। इसके लिए बोल्सोनारो ने इटली के पासपोर्ट का इस्तेमाल किया।

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, फ्लावियो के लिए प्राइवेट जेट की व्यवस्था भी कराई गई थी। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि फ्लावियो आगे चलकर अमेरिका में स्थायी रूप से रहने के लिए ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं। उनके छोटे भाई एडुआर्डो को भी जुलाई में ग्रीन कार्ड दिया गया था।

फ्लावियो बोल्सोनारो 28 अक्टूबर को अमेरिका के मियामी में प्राइवेट जेट से उतरते हुए।

अर्जेंटीना के इमिग्रेशन विभाग के मुताबिक, फ्लावियो 27 अक्टूबर की रात 10:50 बजे पत्नी और बेटियों के साथ सड़क के रास्ते अर्जेंटीना पहुंचे। वे दक्षिणी ब्राजील के फोज दो इगुआसू शहर से अर्जेंटीना के पुएर्तो इगुआसू शहर को जोड़ने वाले 'फ्रेंटरनिटी ब्रिज' से गुजरे।

फ्लावियो के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों में जांच

फ्लावियो के खिलाफ भ्रष्टाचार, मनी लॉन्ड्रिंग और टैक्स चोरी समेत कई मामलों में जांच चल रही है। इनमें उनके पिता की जिंदगी पर फिल्म बनाने के लिए पैसे जुटाने से जुड़ा मामला भी शामिल है।

फ्लावियो ने माना था कि उन्होंने पूर्व बैंकर डेनियल वोरकारो से फिल्म के लिए करीब 1.2 करोड़ डॉलर जुटाने की कोशिश की थी। हालांकि, उन्होंने किसी भी गलत काम से इनकार किया है। उन पर एक ऐसे वकील से संबंध होने की जांच चल रही है, जिस पर ऑनलाइन सट्टेबाजी के जरिए 1 अरब डॉलर से ज्यादा की मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है। इसके तहत पुलिस ने उन्हें 24 घंटे के अंदर अपना पासपोर्ट जमा करने का आदेश दिया था।

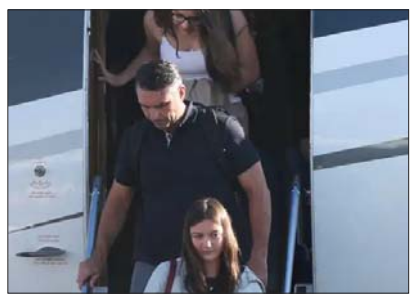

ट्रम्प ने अमेरिका में आने की मंजूरी दी, जेट की व्यवस्था भी कराई

अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, ट्रम्प ने फ्लावियो और उनके परिवार को अमेरिका में प्रवेश की मंजूरी दी थी। विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने 27 अक्टूबर को परिवार को वीजा देने की बात कही थी। ट्रम्प प्रशासन ने उन्हें अमेरिका में एक साल तक रहने की इजाजत देने वाला 'ह्यूमैनिटेरियन पैरोल' भी दिया। यह एक खास अनुमति होती है, जो मानवीय कारणों या किसी बड़े सार्वजनिक हित के लिए दी जाती है। इसके तहत कोई व्यक्ति कुछ समय तक अमेरिका में रह सकता है लेकिन उसे स्थायी नागरिकता नहीं मिलती।

चांदी आज 6,678 सस्ती, इस महीने में 37 हजार गिरी

गोल्ड 1,364 घटकर 1.41 लाख पर आया

नई दिल्ली, एजेंसी

फेस्टिव सीजन में सोना-चांदी खरीदने वालों के लिए अच्छी खबर है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, एक किलो चांदी 6,678 रुपए घटकर 1.84 लाख रुपए पर आ गई है, जो गुरुवार को 1.90 लाख रुपए पर थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,364 रुपए गिरकर 1.41 लाख रुपए आ गया है।

चांदी इस महीने 37,029 रुपए और सोना 7,247 रुपए गिरा है। इससे पहले 1 अक्टूबर 2026 को एक किलो चांदी के दाम 2.20 लाख रुपए और 10 ग्राम सोना 1.48 लाख रुपए पर थे। सोना-चांदी के दाम में गिरावट अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर मजबूत होने और बड़े निवेशकों के ऊंचे दामों पर बिकवाली करने से हो रही है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। चांदी की कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक चांदी 1.96 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

वहीं, 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 35 हजार रुपए सस्ता हो चुका है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676